हरिभूमि
रायपुर भूमि





यह ठंड की धुंध नहीं... दोपहर में उड़ती धूल है, हीरापुर-टाटीबंध मार्ग पर 5 मीटर की दूरी से किसी का चेहरा तक नहीं दिख रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी रायपुर के हीरापुर से टाटीबंध मार्ग पर इन दिनों इतनी धूल उड़ रही है कि 5 मीटर दूर खड़े व्यक्ति का चेहरा भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। हरिभूमि के फोटोग्रॉफर ने अपने कैमरे में इस फोटो को कैद किया। फोटो को देखकर लगता है कि मानो ठंड की धुंध छाई हो, लेकिन यह कोई धुंध नहीं, बल्कि धूल है, जिसका गुबार इस तरह से हवा में उड़ रहा है कि इस मार्ग पर आवागमन करने वाले पैदल यात्री से लेकर वाहन सवार चेहरा ढंके बिना यहां से गुजर नहीं पा रहे हैं।



पानी का छिड़काव तक नहीं

इधर धूल से राहत दिलाने के लिए मार्ग पर पानी का छिड़काव तक नहीं किया जा रहा है, जबकि सड़क हो या ब्रिज, निर्माण कार्य के दौरान धूल से राहत पहुंचाने के लिए पानी छिड़कने का नियम है। इस नियम को ताक पर रखकर यहां निर्माण कार्य किया जा रहा है।

ओवरब्रिज निर्माण कार्य चल रहा

हीरापुर में ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके कारण इस मार्ग पर धूल ही धूल उड़ रही है। दोपहर में करीब 2.30 बजे इस मार्ग पर आवागमन के दौरान इतनी धूल उड़ती दिखी कि मार्ग पर लोगों को वाहन चलाना भी मुश्किल हो रहा था। धूल के कारण दोपहिया सवार के कपड़ों से लेकर सिर के बाल तक धूल-धूसरित हो जा रहे थे, वहीं गाड़ियां भी धूल से खराब हो रही हैं। हालात ये हैं कि इस मार्ग से गुजरने वाले लोग बेहद परेशान हो रहे हैं।

खबर संक्षेप

नार्थ जोन में 177 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर। नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नॉर्थ जोन पुलिस ने 177 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधित सहित अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की है। डीसीपी दीपमाला कश्यप के निर्देशन में तथा एडीसीपी आदित्य पांडे के मार्गदर्शन में पुलिस ने 57 प्रकरणों में 68 व्यक्तियों को धारा 126, 135(3), बीएनएसएस के तहत 63 प्रकरणों में 75 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

ई-रिक्शा की बैटरी पार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आजाद चौक थाने की पुलिस ने घूम-घूम कर ई-रिक्शा की बैटरी चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार बैटरियां जब्त की हैं। जब्त बैटरी की कीमत डेढ़ लाख रुपए है। बैटरी चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तेलीबांधा निवासी हिस्ट्रीशीटर राजा मेघानी को गिरफ्तार किया है।

दवाओं का उपयोग नशे की खातिर, 11 दवा दुकानों में दबिश, चार को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नशे के लिए दवाओं का दुरुपयोग कम नहीं हो रहा है और इसमें दवा विक्रेताओं की भूमिका भी संदिग्ध है। बिना पर्ची प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा नार्को टिक्स कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। जांच टीम रायपुर जिले की 11 दुकानों तक पहुंची और लापरवाही पर 4 को नोटिस थमाकर जवाब मांगा है।

- दुकानों में हिसाब-किताब नहीं मिला, एनसीबी-एफडीए की संयुक्त जांच

संयुक्त टीम ने राजधानी के साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में जाकर जांच की। इस दौरान भनपुरी के सर मेडिकल, कोटा के श्री राम मेडिकल, संतोषी नगर के लक्ष्मी मेडिकल शॉप तथा कुकरबेड़ा के मां लक्ष्मी मेडिकल की जांच में दवाओं की खरीदी-बिक्री में लापरवाही पाई। इस मामले में चारों फर्मों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। दवा दुकानदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में औषधियों के क्रय-विक्रय एवं स्टॉक से संबंधित अभिलेखों को अद्यतन रखें, केवल वैध स्त्रोतों से औषधियों का क्रय करें तथा लागू अधिनियमों, नियमों एवं लाइसेंस की शर्तों का कड़ाई से पालन करें। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला रायपुर द्वारा स्पष्ट किया गया है कि औषधियों के अवैध क्रय-विक्रय एवं दुरुपयोग की रोकथाम ⏭शेष पेज 11 पर



रोकथाम और पुनर्वास के लिए हर निकाय में नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे

ऑनलाइन दवाओं की बिक्री और नशीले पदार्थों के रूप में दवाओं के दुरुपयोग पर निगरानी बढ़ाने के साथ ही बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्ती के मामलों में वित्तीय जांच करने पर जोर दिया गया है। केंद्र सरकार की नार्कोटिक्स को आर्डिनेशन (एनसीओआरडी) व्यवस्था के तहत हुई 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक में नशे के कारोबार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क की जांच, नशे की रोकथाम और नशे के आदी लोगों के उपचार एवं पुनर्वास से संबंधित निर्देश दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने इन निर्देशों के अनुपालन के लिए नगरीय निकायों में नोडल अधिकारी बनाने कहा गया है। केंद्र के निर्देशों में दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन के लिए मानदंड तय करने, दवाओं के अवैध इस्तेमाल और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के नशीले पदार्थों के कारोबार में पहुंचने की आशंका पर निगरानी रखने तथा ऑनलाइन फार्मेसी की गतिविधियों पर नजर रखने को कहा गया है। इसका उद्देश्य वैध दवाओं के दुरुपयोग और उनके अवैध कारोबार में इस्तेमाल को रोकना है।नशे के नेटवर्क की ⏭शेष पेज 11 पर



नायब तहसीलदार ने सड़क पर काटा केक, कलेक्टर ने कहा-कार्रवाई होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अभनपुर तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार विपिन बिहारी पटेल द्वारा सड़क पर आतिशबाजी के बीच केक काटना अब महंगा पड़ेगा। कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने इस मामले में कहा कि नियम के तहत जो कार्रवाई होनी है, वह की जाएगी। सड़क पर केक काटने और आतिशबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से यह मामला उजागर हुआ है। इस वीडियो में नायब तहसीलदार केक काटते दिखाई दे रहे हैं। कार की डिक्की पर केक रखा हुआ था। इस डिक्की को भी नायब तहसीलदार ने ही खोला। डिक्की पूरी तरह से गुब्बारों से सजी हुई थी।

जानकारी मिली है, दिखवाती हूं

नायब तहसीलदार द्वारा सड़क पर जन्मदिन मनाने की जानकारी मिली है। इसे दिखवाती हूं।

- **मीना साहू**, एसडीएम अभनपुर

नियमानुसार होगी कार्रवाई

इस मामले में जो भी नियम के तहत कार्रवाई होनी है, वह की जाएगी।

- **डा. गौरव सिंह**, कलेक्टर रायपुर

महापौर के बेटे व उसके दोस्तों के खिलाफ हो चुकी है एफआईआर

उल्लेखनीय है कि राजधानी रायपुर में पूर्व में ऐसे कई विडियो वायरल हुए हैं, जिसमें बीच सड़क पर रात के समय में जन्मदिन मनाए गए हैं। इनमें एक मामला रायपुर नगर निगम की महापौर के बेटे का भी है, जिसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर चंगोराभाठा इलाके में बीच सड़क पर अपना जन्मदिन सेलीब्रेट किया था। इसका विडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इसके बाद इस मामले में पुलिस ने महापौर के बेटे और उसके साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। इस घटना का विडियो इतना ज्यादा वायरल हुआ था कि महापौर को भी शहर की जनता से माफी मांगनी पड़ी थी।



माँ मातंगी धाम माँ मातंगी धाम माँ मातंगी धाम

डॉ. श्री प्रेमासाई महाराज जी

(मां मातंगी दिव्य धाम पीठाधीश्वर)

माँ मातंगी धाम दिव्य दरबार

पंचदिवसीय भव्य दिव्य आयोजन

दिनांक- 24 से 28 अक्टूबर 2026

समय- प्रात: 10:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

स्थान : अवधपुरी मैदान,
हनुमान मंदिर, गुढ़ियारी, रायपुर (छ. ग.)

विकास सेठिया कृष्णा कान्हा बाजारी

@KrishnaKanhabajari
@KrishnaSharma4bjp
@Krishnabajari

माँ मातंगी की सेवा में समर्पित

संस्थान- Classic® PVC & HDPE Pipe Fittings CG अनफिल्टर्ड

निःशुल्क टोकन प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर संपर्क करें।

NIRANJAN HOSPITAL
आपके स्वास्थ्य ही हमारी प्राथमिकता
निरंजन हॉस्पिटल
मेन रोड सारागांव, रायपुर छ.ग. (बलौदाबाजार मार्ग)
मो. : 9669669383, 7721299299
24x7 आपातकालीन सुविधा
सोनोग्राफी एवं एक्स-रे की सुविधा
आयुष्मान कार्ड से इलाज सुविधा
उपलब्ध सुविधायें :-
उपलब्ध सुविधाएं
• 15 बिस्तरों का अस्पताल
• स्त्री रोग का इलाज
• जनरल सर्जरी
• सीजेरियन डिलोवरी
• नॉर्मल डिलीवरी
• अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर
• ऑर्थो (अस्थि रोग) सर्जरी
• हृदय एवं मधुमेह रोग
• शिशुओं की चिकित्सा
• नाक, कान, गला चिकित्सा
• आई.सी.यू.
• सोनोग्राफी सुविधा
• एक्स-रे सुविधा
• ई.सी.जी.
• पैथोलॉजी सुविधा
• एम्बुलेंस एवं मेडिकल सुविधा

खबर संक्षेप

शरद पूर्णिमा पर आज लोक गायिका छाया का कार्यक्रम

सिलयारी। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर ग्राम सिलयारी में भक्ति, लोककला और छत्तीसगढ़ी संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नवदुर्गा उत्सव समिति, बाजार चौक सिलयारी के तत्वावधान में 24 अक्टूबर 2026, शनिवार को शरद पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका श्रीमती छाया चंद्राकर अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांधेंगी।

खड़ी फसल के बीच में गिरदावरी कराना गलत

मंदिर हसौद। खड़ी धान की फसल के बीच पीवीए के माध्यम से फसल गिरदावरी कराने के सरकारी फैसले को लेकर रायपुर कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष नारायण कुर्रे ने नाराजगी



जताते हुए , किसानों के पक्ष में त्वरित ठोस निर्णय लेने की मांग की नारायण कुर्रे ने आगे कहा कि जब खेतो में धान की फसल खड़ी है तब पीवीएप से हर किसान के खेत का वास्तविक मौतिक सर्वेक्षण करना कितना व्यवहारिक है सरकार को यह स्पष्ट करनी चाहिए प्रदेश के अनेक गांवों में नक्शा बटांकन का काम अभी भी अधूरा है और खेतों की वास्तविक सीमाएं स्पष्ट नहीं है ऐसे में बिना जमीनी तैयारी के डिजिटल व्यवस्था लागू करने से किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

निधन

श्यामा बाई नायक

तरपोंगी। बरतोरी निवासी श्रीमती



श्यामा बाई नायक का 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया, जिनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम के मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। वे कमलेश नायक की माताजी थीं और विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। 22 अक्टूबर की रात्रि को उनका देहावसान हो गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शोकाकुल ग्रामीण, परिजन तथा सामाजिक बंधु उपस्थित रहे और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

रावण दहन कार्यक्रम में भव्य आतिशबाजी की

मंदिर हसौद में दशहरा पर 69 वर्षों से लगातार रामलीला का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदिर हसौद



रामलीला कला मंडली समिति शास्त्री चौक मंदिर हसौद जो की सन 1957 से संचालित है और विगत 69 वर्षों से लगातार श्री रामलीला का मंचन एवं भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन करते आ रहे हैं इस वर्ष भी मंडली के द्वारा सात दिवसीय श्री रामलीला का मंचन किया गया 21अक्टूबर एकादशी को रावण भाठा दशहरा मैदान में बड़े धूमधाम से दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया जहां मेघनाथ वध एवं रावण वध के दृश्यों का मंचन सहित पुतला दहन एवं भव्य आतिशबाजी ने सबको आकर्षित किया दशहरा मैदान में दर्शकों एवं मेलों में भारी भीड़ रही वहीं रामलीला के पात्रों में भी उत्साह बना रहा। दशहरा महोत्सव की मुख्य अतिथि सत्यनारायण शर्मा पूर्व मंत्री ने विशाल जन समूह को संबोधित करते हुए दशहरा के महत्व पर प्रकाश डालते विजयादशमी की बधाई और शुभकामना देते हुए कहा हमें अपने अंदर के अहंकार को त्याग कर हमेशा सत्य अच्छाई धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए, साथ ही रामलीला मंडली के पात्रों की प्रशंसा करते श्री राम जी के चरित्र और आदर्शों को अपनाने और हर दशहरा में अपने अंदर की एक बुराई को त्यागने की बात कही। कार्यक्रम का विधिवत संचालन रामलीला मंडली के संचालक त्रिलोचन साहू ने किया मंडली के अध्यक्ष- आदित्य सिन्हा संरक्षक- शोभित साहू अजय सिन्हा राधेश्याम पटेल कोषाध्यक्ष- जितेंद्र सिन्हा सदस्य-कोमल सिन्हा आयुष पटेल रोहित सेन रामजी यादव पीतेश्वर साहू सहित भूमिका निभाने वाले पात्रों में राम- सुयश सिन्हा, लक्ष्मण- युवराज सिन्हा, सीता-जितेन्द्र धीवर, हनुमान-तोरण निर्मलकर, सुग्रीव- नरेंद्र ध्रुव, जामवंत- मनीष वर्मा, विभीषण- राहुल ध्रुव, अंगद- शिबू निर्मलकर, कपिगण-प्रज्ञान सिन्हा दीपांशु वर्मा, रावण- देव कुमार वर्मा, मेघनाथ- शैलेंद्र सिन्हा, मंत्री गण देवानंद साहू कैलाश सेन एवं व्यासपीठ में राधेश्याम पटेल धनेश पटेल ईश्वरी ध्रुव आदि थे कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपाल चतुर्वेदी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद ने की, विशिष्ट अतिथिगण ओम प्रकाश यादव उपाध्यक्ष न.पा.म.ह.,शोभित साहू, नर्सिंग अग्रवाल,अजय सिन्हा,गोवर्धन सिन्हा जी पी निषाद,नीलकंठ गायकवाड़ क्षितिज अग्रवाल, डा.गोवर्धन साहू पार्षद गण- राकेश मिश्रा,प्रताप सिंह ठाकुर, सुश्री संगीता राकेश जायसवाल,तारणी पिन्टू निर्मलकर,अनुज मिश्रा,सुरेश यादव,निर्देश सिन्हा, सरस्वती दीनू यादव,उत्तम साहू, तुलेश देवांगन बिरझु ध्रुव सहित भारी संख्या में नगर वासी उपस्थित थे। रात्रि कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की धरोहर *कका भतीजा नाचा पार्टी* ग्राम सरायपाली कोमाखान बागबाहरा जिला महासमुंद ने दर्शकों की खुब वाहवाही बटोरी।

गुखेरा प्राशा में सीईओ ने ली बच्चों की क्लास



आरंग। शासकीय पूर्व एवं प्राथमिक शाला गुखेरा में उस समय एक अलग ही उत्साह देखने को मिला, जब जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) राजेंद्र पांडे औचक निरीक्षण पर पहुंचे।

स्कूल परिसर का जायजा लेने के बाद अधिकारी ने सीधे कक्षा 5वीं में पहुंचकर शिक्षक की भूमिका संभाली और बच्चों की क्लास ली। कक्षा में बैठकर सीईओ ने बेहद आत्मीय अंदाज में बच्चों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के रचनात्मक लेखन कौशल को परखा, पहाड़े सुने और बच्चों से उनकी रुचियों के साथ-साथ जीवन के लक्ष्य भी पूछे। बच्चों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें सुंदर कविताएं सुनाईं। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट वर्क को देखकर अधिकारी बेहद प्रभावित हुए और उनकी कला व मेहनत की मुक्तकंठ से सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पढ़ाई में कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों की शाला में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, उनके दैनिक गृहकार्य (होमवर्क) और क्लास वर्क की निरंतर मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया, ताकि शिक्षा का स्तर सुदृढ़ हो सके।

पेज 9 के शेष

दवाओं का उपयोग नशे...

के लिए संबंधित विभागों के समन्वय से निरीक्षण एवं निगरानी की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी। आज की कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से औषधि निरीक्षक डॉ. सुरेश कुमार साहू, ईश्वरी नारायण सिंह, लक्ष्मी वर्मा, हंसा साहू एवं ओम प्रकाश यादव शामिल रहे।

रोकथाम और पुनर्वास के लिए...

पड़ताल पर जोरबड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती के मामलों में केवल जब्त सामग्री तक जांच सीमित नहीं रखने, बल्कि उसके पीछे के वित्तीय लेनदेन और पूरे नेटवर्क की पड़ताल करने पर भी जोर दिया गया है।

ड्रग्स जब्ती के बाद करना होगा ये काम : निर्देशों के अनुसार, व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स जब्ती के मामलों में वित्तीय जांच और आरोपियों के पिछले संपर्कों की जांच की जानी चाहिए। नशीले पदार्थों के कारोबार से अर्जित आय की पहचान कर उसे जब्त करने तथा नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करने पर भी जोर है।

एनटीएफ बनाने के निर्देश: इसी कड़ी में राज्यों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को पूर्णकालिक, समर्पित और पर्याप्त संसाधनों से लैस इकाई के रूप में विकसित करने की बात कही गई है। नशे के मामलों में पुलिस और दूसरी जांच एजेंसियों के बीच सूचनाओं का बेहतर आदान-प्रदान करने तथा अपराध संबंधी जानकारी संबंधित पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि नशे के नेटवर्क और उसके सरगनाओं के खिलाफ समन्वित कार्रवाई की जा सके।

निकायों के बनाने होंगे नोडल अधिकारी : दूसरी ओर, नशे की मांग घटाने, जन-जागरूकता बढ़ाने और नशे के आदी लोगों के उपचार एवं पुनर्वास पर भी ध्यान देने को कहा गया है। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने 22 अक्टूबर को जारी पत्र में सभी नगर निगम आयुक्तों और नगर पालिका परिषदों तथा नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी नामांकित करने को कहा है। इन अधिकारियों को नशे की मांग में कमी, उपचार, पुनर्वास और जागरूकता से संबंधित गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दी जाएगी।नगरीय निकायों से निर्धारित प्रारूप में नामांकित अधिकारियों के नाम, पदनाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने को कहा गया है। क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को अपने अधीनस्थ निकायों से जानकारी जुटाकर सात दिन के भीतर एकीकृत रिपोर्ट संचालनालय को भेजनी है।

एनडीपीएस केस की सुनवाई में तेजी: केंद्र के निर्देशों में स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नशामुक्त परिसर की व्यवस्था विकसित करने, नशीले पदार्थों की बिक्री और उपलब्धता रोकने तथा एनडीपीएस मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए भी कदम उठाने पर जोर दिया गया है। हालांकि, राज्य के नगरीय प्रशासन विभाग के पत्र में इन निर्देशों के अनुपालन की जानकारी मांगी गई है।

नायब तहसीलदार ने सड़क ...

नियम के तहत जो कार्रवाई होनी है, वह की जाएगी। सड़क पर केक काटने और आतिशबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से यह मामला उजागर हुआ है। इस वीडियो में नायब तहसीलदार केक काटते दिखाई दे रहे हैं। कार की डिक्की पर केक रखा हुआ था। इस डिक्की को भी नायब तहसीलदार ने ही खोला। डिक्की पूरी तरह से गुब्बारों से सजी हुई थी। केक काटने के दौरान नायब तहसीदार के समर्थकों ने सड़क पर आतिशबाजी भी की। इस तरह अपने जन्मदिन को बीच सड़क पर सेलीब्रेट करने के साथ उसका विडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में भी वायरल किया है।

बहेसर में कथित अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर 25दिन बाद भी कार्रवाई नहीं

सिलयारी। ग्राम बहेसर में नहर के आसपास स्थित सरकारी भूमि पर कथित अवैध प्लाटिंग और प्लॉट बिक्री का मामला सामने आया है। इस संबंध में 22 सितंबर 2026 को शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद करीब 25 दिन बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत पर कार्रवाई में देरी को लेकर शिकायतकर्ता ने नाराजगी जताते हुए नहर विभाग और तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। मामला शाखा नहर निर्माण उपसंभाग क्रमांक-3, तिल्दा क्षेत्र से जुड़ा है।

संयंत्र की मनमानी एवं प्रदूषण के खिलाफ कलेक्टर को ज्ञापन

धरसींवा। हरियाली और खुशहाली के लिए पहचाने जाने वाला ऐतिहासिक गांव मोहदी आज देवी स्पंज आयरन उद्योग की तानाशाही, प्रदूषण और अवैध कब्जों के चक्रव्यूह में फंसकर तिल-तिल मरने को मजबूर है। खेतों के मुहाने पर डंप किया जा रहा भारी-भरकम जहरीला डस्ट, शासन की सिंचाई नहर पर उद्योगपति का सीधा डाका और सड़कों पर सरपट दौड़ते अनियंत्रित ट्रकों के आतंक ने ग्रामीणों का जीना दूभर कर दिया है। फैक्ट्री स्थापना के समय सीएसआर के तहत गांव के विकास और रोजगार के जो सपने दिखाए गए थे, वे एनओसी मिलते ही हवा में उड़ गए। उद्योग प्रबंधन की इस खुली मनमानी और जिला प्रशासन की चुप्पी से आक्रोशित ग्रामीणों ने अब आर-पार का मोर्चा खोल दिया है। सैकड़ों की संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने रायपुर कलेक्टर के दरबार में दस्तक देकर चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने को विवश होंगे।

खेती पर संकट बिजली कटौती फौरन रोकें

तरपोंगी। क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती ने किसानों की कमर तोड़ कर रख दी है। पहले जहां शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक 6 घंटे की



कटौती की जा रही थी, वहीं अब बिजली विभाग के नए फरमान के तहत सुबह 5 से 7 बजे तक 2 घंटे की अतिरिक्त कटौती शुरू कर दी गई है। सिंचाई के प्रमुख समय में हो रही इस दोहरी मार से फसलों के सूखने का संकट गहरा गया है, जिससे अन्नदाता भारी चिंता और आक्रोश में हैं। किसानों की इस गंभीर समस्या को उठाते हुए क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा ने प्रशासन व विद्युत विभाग से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि फसलों को बचाने के लिए आगामी 20 दिनों तक क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों की फसलों को बचाया जा सके।

पत्र क्रं/29837/न.पा.नि. /जोन क्रं -10/2026
रायपुर, दिनांक 10-04-2026

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 29837

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446E00013 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NARENDRA THAKUR पिता / पति श्री / श्रीमती LT. T. N. THAKUR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती REKHA SONI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O RAJESHWAR SONI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10) नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय,
रायपुर (छ.ग.)

// शपथ-पत्र //

मैं लक्ष्मण प्रसाद साहू, पिता- स्व. बुधुराम साहू, निवासी-साहू पारा, शिव मंदिर चौक, डुण्डा, रायपुर, तह. व जिला-रायपुर छ.ग. का निवासी हूँ, निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि:-

1. यह कि, मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मेरी चाची स्व. हिरमिसी साहू, पति- स्व. सुधराम साहू की मृत्यु दिनांक 20/04/2025 को निवास स्थान-डुण्डा, रायपुर, तह. व जिला- रायपुर छ.ग. में हो गया है।
3. यह कि, मैं अपने मेरी चाची स्व. हिरमिसी साहू, पति- स्व. सुधराम साहू का भूलवश नगर निगम रायपुर के मृत्यु पंजीयन में नाम दर्ज नहीं हो पाया था। जिसे मेरे चाची का मृत्यु पंजीयन में नाम दर्ज कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहता हूँ। एवं मेरे चाची का अन्य कोई भी विधिक वारिसान नहीं है।
4. यह कि, यह शपथपत्र मेरी चाची स्व. हिरमिसी साहू, पति- स्व. सुधराम साहू की मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

-:: सत्यापन ::-

मैं, उपरोक्त शपथकर्ता, सत्यापित करता हूँ कि इस शपथपत्र की कंडिका 1 से 4 में लिखी बातें सत्य हैं, अतः अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

दिनांकः- 19.08.2026 शपथकर्ता

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भूमिस्वामी शुभम रावलानी पिता चन्दन रावलानी, निवासी-पी 301, पानी टंकी आर.डी.ए. कालोनी बोरियाखुर्द रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अमलीडीह, प.ह.नं. 69, रा.नि.मं. रायपुर-2 तहसील रायपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 151/69 रकबा 0.0094 हे. अर्थात 1000 वर्गफुट भूमि को खरीदने का पक्का सौदा तय कर लिया गया है तथा विक्रय पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम, निकाय, बैंक, साहूकार, महाजन, या शासकीय अथवा अर्धशासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार से कोई उजर आपत्ति या दावा हो तो मेरे नीचे लिखे कार्यालय पते पर सूचना प्रकाशन के दस दिवस के भीतर खुद अथवा अपने मान्यता प्राप्त अभिकर्ता/अभिभाषक के माध्यम से सुसंगत दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर पावती ले लेवें अन्यथा मेरे पक्षकारगण द्वारा उक्त समय व्यतित होने के पश्चात उक्त भूमि का विक्रय पंजीयन खुद अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति के नाम पर पंजीयन करा लेवेंगा तथा बाद में किया गया दावा आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं होगा। एवं सदभावक क्रेता माना जावेंगे।

स्थान - अभनपुर
दिनांक - 23/10/2026

भवदीय
नागेन्द्र कुमार सिन्हा अधिवक्ता
कार्यालय पता:- सिन्हा कम्प्यूटर्स तहसील आफिस के सामने अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. मो. नं. 9893906809

महिलाओं के लिए प्रगति का अवसर
बिना किसी बड़े अनुभव के करियर शुरू करने का मौका!
हरिभूमि
अपने नए प्रोजेक्ट के लिए ऊर्जावान और आत्मविश्वासी महिलाओं/युवतियों को आमंत्रित करती है।
सुरक्षित माहौल, बेहतरीन कमाई,
हरिभूमि अखबार से
जुड़कर बनें फील्ड एक्सीक्यूटिव एक्सपर्ट।
अपनी पहचान बनाने का वक्त,
सुरक्षित कार्यक्षेत्र और सहयोगपूर्ण माहौल।
आत्मनिर्भर बनने की एक नई शुरुआत,
हरिभूमि के साथ।
योग्यता :
शैक्षणिक योग्यता :
12वीं या स्नातक
कौशल :
बातचीत करने में निपुण और मिलनसार व्यवहार।
स्वयं का वाहन अनिवार्य।
कार्य क्षेत्र :
रायपुर शहर
कार्य का समय :
सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक
वेतन : 12000/-प्रतिमाह
नीचे दिये गए नम्बर पर अपना बायोडाटा व्हाट्सएप्प या मेल करें :
9827555678 cir.haribhoomi@gmail.com
आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर 2026 शाम 5 बजे तक
प्रसार विभाग, हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

HEALTH TOWN
न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी. सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधाएँ-
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
• नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार
• TPA की सुविधा
संपर्क करें- 9009553889, 9090204620
पता - एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढियारी, रायपुर

पाइल्स
क्षार सूत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा देश विदेशों में भी प्रचलित।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

लोकल में नशीली टेबलेट नहीं मिलने पर ओडिशा, उत्तरप्रदेश से तीन गुना ज्यादा कीमत पर मंगा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गांजा के साथ अन्य मादक पदार्थों की स्थानीय स्तर पर सप्लाई चेन पर ब्रेक लगने के बाद इंटर स्टेट तस्कर सक्रिय हो गए हैं। ओडिशा तथा उत्तरप्रदेश के तस्कर रायपुर में नेटवर्क तैयार कर प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ सीरप तथा इंजेक्शन खपाने का काम कर रहे हैं। क्राइम ब्रांच एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के साथ डीडीनगर थाने की पुलिस ने दो दिन के भीतर 33 सौ नशीली टेबलेट जब्त किया है। गुरुवार को 21 सौ तथा शुक्रवार को 12 सौ नशीली टेबलेट की जब्ती की गई है। जब्त टेबलेट की कीमत 13 लाख रुपए आंकी गई है। पहले दिन प्रतिबंधित टेबलेट के साथ गिरफ्तार मोहम्मद असजद की निशानदेही पर पुलिस ने एक नाबालिग के कब्जे से टेबलेट जब्त किया है। पुलिस ने नाबालिग को डगनिया स्थित खदान बस्ती के पास से पकड़ा है। पूछताछ में किशोर ने ओडिशा से प्रतिबंधित टेबलेट आर्डर देकर मंगाने की जानकारी पुलिस को दी है। कुछ दिन पूर्व पुलिस ने उत्तरप्रदेश के एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रतिबंधित टेबलेट जब्त किया था।

कार्रवाई के बाद नए रूट की तलाश : पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर तीनों जोन के डीसीपी तथा अन्य पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र के मेडिकल कारोबारियों की मीटिंग लेकर नींद सहित अन्य नशे में इस्तेमाल दवाओं तथा सीरप की बिक्री बगैर डॉक्टर पर्ची के करने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई।

दो दिन के भीतर पुलिस ने किया साढ़े तीन हजार प्रतिबंधित टेबलेट जब्त, नाबालिग के कब्जे से 12 सौ टेबलेट जब्त

सात करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के मादक पदार्थों की जब्ती

पुलिस के मुताबिक, रायपुर कमिश्नरेट में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अब तक एनडीपीएस एक्ट के 94 मामलों में 207 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन मामलों में गांजा, प्रतिबंधित नशीला टेबलेट, एमडीएमए, कोकीन, प्रतिबंधित सीरप, हेरोइन, ब्राउन शुगर और अफीम समेत अन्य सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, जब्त सामग्री और अन्य संपत्तियों की कीमत 7.19 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है।



ओडिशा, उत्तरप्रदेश से आपूर्ति

स्थानीय तस्कर अपने लोकल नेटवर्क के माध्यम से ओडिशा तथा उत्तरप्रदेश के तस्करों से संपर्क कर उनसे प्रतिबंधित टेबलेट के साथ सीरप मंगा रहे हैं। इन प्रतिबंधित दवाओं को तस्कर तीन गुना ज्यादा कीमत पर मंगाकर बेच रहे हैं। पुलिस के अनुमान के मुताबिक हर साल अकेले रायपुर में ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के नशीला टेबलेट के साथ सीरप तथा प्रतिबंधित इंजेक्शन का कारोबार तस्कर कर रहे हैं। सप्लाई चेन तोड़ने पुलिस इंटर स्टेट पुलिस की मदद लेने की बात कह रही है।

खबर संक्षेप

संपत्ति कर 31 दिसंबर तक जमा करने पर 4 फीसदी छूट



रायपुर। आयुक्त संबित मिश्रा ने टीएल बैठक में अधिकारियों को तय लक्ष्य के मुताबिक टैक्स वसूली के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े बकायादारों से नियमानुसार सख्ती से वसूली की जाए। आयुक्त ने चालू वित्त वर्ष का संपत्ति कर 31 दिसंबर 2026 तक जमा करने वाले करदाताओं को 4 प्रतिशत छूट का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जोन कमिश्नरों और सहायक राजस्व अधिकारियों को वसूली की प्रक्रिया तेज करने कहा। आयुक्त ने अवैध नल कनेक्शनों को नियमानुसार अर्थदंड लेकर नियमित करने और संबंधित लोगों से जलकर वसूलने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नामांतरण के मामलों का तय समयसीमा में निराकरण करने को कहा। बैठक में नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की ई-चालान कार्रवाई की भी समीक्षा की गई।

निधन

आकाश श्रीवास्तव



रायपुर। चौबे कॉलोनी निवासी आकाश श्रीवास्तव का 23 अक्टूबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 24 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. हरीशचंद्र श्रीवास्तव के पुत्र, अनिल, अनुराग के भाई एवं अविरल श्रीवास्तव के पिता थे।

बैठकों में सफाई व्यवस्था-कार्रवाई पर जोर
लेकिन जोन दफ्तरों में ही स्वच्छता का अभाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में स्वच्छता एवं सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। शहर की विभिन्न कालोनियों, बस्ती-मोहल्लों से लेकर व्यावसायिक बाजार में तक अव्यवस्था और नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदगी का आलम बना रहता है। इससे अब नगर निगम के जोन दफ्तर, परिसर से लेकर कलेक्टोरेट बिल्डिंग एवं परिसर भी छूटे नहीं हैं। इन सभी जगहों पर भी अब स्वच्छता का अभाव के साथ जगह-जगह गंदगी परसी हुई है। हरिभूमि ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सहित कई जोन दफ्तरों में सफाई व्यवस्था की पड़ताल की। इस पड़ताल में पता चला कि नगर निगम प्रशासन द्वारा सफाई व्यवस्था को लेकर कार्रवाई करती है, लेकिन अब जब उनके दफ्तरों एवं परिसर में गंदगी पसरी हुई है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है तथा कार्रवाई का क्या प्रावधान है।

नगर निगम प्रशासन लगातार बैठकें आयोजित कर सफाई व्यवस्था में सुधार लाने तथा गंदगी फैलाने वाले दुकानदार एवं होटल, रेस्टोरेंट सहित अन्य पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सख्त कार्रवाई करने पर जोर देता रहा है। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने शुक्रवार को भी सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। इस बैठक में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने बैठक में सभी कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा करने के साथ सफाई व्यवस्था में सुधार लाने अधिकारियों को निर्देश दिए।

केस:1
जोन-5 दफ्तर का परिसर कबाड़ में तब्दील हो चुका है। कबाड़ के कारण यहां गंदगी भी पसरी हुई है। दफ्तर की दीवारें एवं सीढ़ी भी पान-गुटका की थूक एवं गंदा पानी के छींटों से सनी हुई हैं।

केस:2
जोन-6 दफ्तर में भी जिस जगह पर वाटर फिल्टर रखा है, उसका फर्श पूरी तरह से गंदा मिला। इस जगह की दीवार पर भी धूल की काली परत जमी मिली। इस गंदगी के बीच कर्मचारी हर रोज यहां काम करते हैं।

केस:3
जोन-7 दफ्तर की सीढ़ियों पर बाकायदा नोटिस भी चस्पा किया गया है। नोटिस में स्पष्ट रूप से लिखा है कि थूकते पाए जाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई कर जुर्माना वसूला जाएगा। इसके बाद भी सीढ़ी में पान-गुटका के थूक से पूरी दीवार गंदगी से भरी हुई है।

केस:4
जोन-8 के दफ्तर में भी सीढ़ी पर कबाड़ डंप कर दिया गया है। इसके कारण यहां स्वच्छता का अभाव देखा गया।

केस:5
जोन-10 दफ्तर की सीढ़ियों में भी जगह-जगह गुटका-पान की थूक के कारण दीवारों पर गंदगी है। इसके अलावा परिसर में भी कई जगह सफाई व्यवस्था का अभाव है।

केस:6
कलेक्टोरेट परिसर से लेकर 3 मंजिल बिल्डिंग में भी सफाई व्यवस्था का अभाव है। परिसर एवं बिल्डिंग की सीढ़ियों में कई जगह कबाड़ डंप है। इसके कारण स्वच्छता का यहां भी अभाव है।



गंदगी फैलाने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर लगातार की जा रही कार्रवाई

नगर निगम प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के आदेश के तहत सभी जोन क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग से लेकर अन्य सफाई व्यवस्था से जुड़े विभाग के अधिकारियों के नेतृत्व में बाजार में सब्जी,फल, होटल, रेस्टोरेंट सहित फुटपाथ पर लगने वाले ठेला-गुमटियों का निरीक्षण करते हुए उनके संचालकों पर गंदगी फैलाने के मामले में कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जा रहा है।

धर्म परिवर्तन करने जीजा पर दबाव, इंकार पर मारपीट
दो महिलाएं गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह में जबरिया धर्म परिवर्तन कराए जाने का मामला सामने आया है। धर्म परिवर्तन नहीं करने पर पीड़ित के साथ उसकी साली तथा एक अन्य महिला पर मारपीट करने का आरोप है। पीड़ित पेशे से सब्जी बेचने का काम करता है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

- प्रार्थी की पत्नी को उसकी बहन ने धर्म परिवर्तन करा लिया था
- मारपीट करने पर पीड़ित थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा

महात्मा गांधी नगर निवासी नेमीचंद साहू की शिकायत पर पुलिस ने उसकी साली दुलारी साहू तथा विशाखा मसीह को गिरफ्तार किया है। उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी साली विशाखा के संपर्क में आकर छह माह पूर्व धर्म परिवर्तन किया है। धर्म परिवर्तन करने के बाद प्रार्थी की साली ने अपनी दीदी तथा उसकी नाबालिग बेटी को झांसे में लेकर धर्म परिवार्तन करा लिया। पत्नी तथा बेटी को धर्म परिवर्तन कराने के बाद आरोपी महिलाओं ने नेमीचंद तथा उसके 16 साल के नाबालिग बेटे पर धर्म परिवर्तन करने दबाव बनाया।



आरोपी महिलाएं प्रार्थी के विरोध के बाद भी उसकी पत्नी तथा बेटी को हर रविवार अपने साथ जबरन प्रार्थना करने ले जाने लगे। इस बात को लेकर उनके बीच आए दिन विवाद होता रहता था। प्रार्थना सभा में शामिल होने की बात को लेकर तीन दिन पूर्व आरोपी महिलाओं ने पीड़ित के साथ मारपीट की। इस बात से आहत होकर वह दोनों महिलाओं के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा।

पेज 9 के शेष

दवाओं का उपयोग...

के लिए संबंधित विभागों के समन्वय से निरीक्षण एवं निगरानी की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी। आज की कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से औषधि निरीक्षक डॉ. सुरेश कुमार साहू, ईश्वरी नारायण सिंह, लक्ष्मी वर्मा, हंसा साहू एवं ओम प्रकाश यादव शामिल रहे।

रोकथाम और ...

पड़ताल पर जोरबड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती के मामलों में केवल जब्त सामग्री तक जांच सीमित नहीं रखने, बल्कि उसके पीछे के वित्तीय लेनदेन और पूरे नेटवर्क की पड़ताल करने पर भी जोर दिया गया है।

ड्रग्स जब्ती के बाद करना होगा ये कामः निर्देशों के अनुसार, व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स जब्ती के मामलों में वित्तीय जांच और आरोपियों के पिछले संपर्कों की जांच की जानी चाहिए। नशीले पदार्थों के कारोबार से अर्जित आय की पहचान कर उसे जब्त करने तथा नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करने पर भी जोर है। **एनटीएफ बनाने के निर्देश** : इसी कड़ी में राज्यों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को पूर्णकालिक, समर्पित और पर्याप्त संसाधनों से लैस इकाई के रूप में विकसित करने की बात कही गई है। नशे के मामलों में पुलिस और दूसरी जांच एजेंसियों के बीच सूचनाओं का बेहतर आदान-प्रदान करने तथा अपराध संबंधी जानकारी संबंधित पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि नशे के नेटवर्क और उसके सरगनाओं के खिलाफ समन्वित कार्रवाई की जा सके।

निकायों के बनाने होंगे नोडल अधिकारी : दूसरी ओर, नशे की मांग घटाने, जन-जागरूकता बढ़ाने और नशे के आदी लोगों के उपचार एवं पुनर्वास पर भी ध्यान देने को कहा गया है। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने 22 अक्टूबर को जारी पत्र में सभी नगर निगम आयुक्तों और नगर पालिका परिषदों तथा नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी नामांकित करने को कहा है। इन अधिकारियों को नशे की मांग में कमी, उपचार, पुनर्वास और जागरूकता से संबंधित गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दी जाएगी।नगरीय निकायों से निर्धारित प्रारूप में नामांकित अधिकारियों के नाम, पदनाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने को कहा गया है। क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को अपने अधीनस्थ निकायों से जानकारी जुटाकर सात दिन के भीतर एकीकृत रिपोर्ट संचालनालय को भेजनी है।

एनडीपीएस केस की सुनवाई में तेजी: केंद्र के निर्देशों में स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नशामुक्त परिसर की व्यवस्था विकसित करने, नशीले पदार्थों की बिक्री और उपलब्धता रोकने तथा एनडीपीएस मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए भी कदम उठाने पर जोर दिया गया है। हालांकि, राज्य के नगरीय प्रशासन विभाग के पत्र में इन निर्देशों के अनुपालन की जानकारी मांगी गई है।

पत्र क्रं/29837/न.पा.नि. /जोन क्रं -10/2026
रायपुर, दिनांक 10-04-2026

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 29837

वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446E00013 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NARENDRA THAKUR पिता / पति श्री / श्रीमती LT. T. N. THAKUR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती REKHA SONI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O RAJESHWAR SONI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10) नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय, रायपुर (छ.ग.)

// शपथ-पत्र //

मैं लक्ष्मण प्रसाद साहू, पिता- स्व. बुधुराम साहू, निवासी-साहू पारा, शिव मंदिर चौक, डुण्डा, रायपुर, तह. व जिला-रायपुर छ.ग. का निवासी हूँ, निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि:-

1. यह कि, मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मेरी चाची स्व. हिरमिसी साहू, पति- स्व. सुधराम साहू की मृत्यु दिनांक 20/04/2025 को निवास स्थान-डुण्डा, रायपुर, तह. व जिला- रायपुर छ.ग. में हो गया है।
3. यह कि, मैं अपने मेरी चाची स्व. हिरमिसी साहू, पति- स्व. सुधराम साहू का भूलवश नगर निगम रायपुर के मृत्यु पंजीयन में नाम दर्ज नहीं हो पाया था। जिसे मेरे चाची का मृत्यु पंजीयन में नाम दर्ज कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहता हूँ। एवं मेरे चाची का अन्य कोई भी विधिक वारिसान नहीं है।
4. यह कि, यह शपथपत्र मेरी चाची स्व. हिरमिसी साहू, पति- स्व. सुधराम साहू की मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

-:: सत्यापन ::-

मैं, उपरोक्त शपथकर्ता, सत्यापित करता हूँ कि इस शपथपत्र की कंडिका 1 से 4 में लिखी बातें सत्य हैं, अतः अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

दिनांकः- 19.08.2026 शपथकर्ता

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भूमिस्वामी शुभम रावलानी पिता चन्दन रावलानी, निवासी-पी 301, पानी टंकी आर.डी.ए. कालोनी बोरियाखुर्द रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अमलीडीह, प.ह.नं. 69, रा.नि.मं. रायपुर-2 तहसील रायपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 151/69 रकबा 0.0094 हे. अर्थात 1000 वर्गफुट भूमि को खरीदने का पक्का सौदा तय कर लिया गया है तथा विक्रय पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम, निकाय, बैंक, साहूकार, महाजन, या शासकीय अथवा अर्धशासकीय कार्यालय को किसी भी प्रकार से कोई उजर आपत्ति या दावा हो तो मेरे नीचे लिखे कार्यालय पते पर सूचना प्रकाशन के दस दिवस के भीतर खुद अथवा अपने मान्यता प्राप्त अभिकर्ता/अभिभाषक के माध्यम से सुसंगत दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर पावती ले लेवें अन्यथा मेरे पक्षकारगण द्वारा उक्त समय व्यतित होने के पश्चात उक्त भूमि का विक्रय पंजीयन खुद अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति के नाम पर पंजीयन करा लेवेंगा तथा बाद में किया गया दावा आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं होगा। एवं सदभावक क्रेता माना जावेंगे।

स्थान - अभनपुर
दिनांक - 23/10/2026

भवदीय
नागेन्द्र कुमार सिन्हा अधिवक्ता
कार्यालय पताः- सिन्हा कम्प्यूटर्स
तहसील आफिस के सामने अभनपुर
जिला रायपुर छ.ग. मो. नं.
9893906809

महिलाओं के लिए प्रगति का अवसर

बिना किसी बड़े अनुभव के
करियर शुरू करने का मौका!

हरिभूमि

अपने नए प्रोजेक्ट के लिए ऊर्जावान और आत्मविश्वासी महिलाओं/युवतियों को आमंत्रित करती है।

सुरक्षित माहौल, बेहतरीन कमाई,
हरिभूमि अखबार से
जुड़कर बनें फील्ड एक्सीक्यूटिव एक्सपर्ट।

अपनी पहचान बनाने का वक्त,
सुरक्षित कार्यक्षेत्र और सहयोगपूर्ण माहौल।
आत्मनिर्भर बनने की एक नई शुरुआत,
हरिभूमि के साथ।



योग्यता :

शैक्षणिक योग्यता :
12वीं या स्नातक

कौशल :
बातचीत करने में निपुण और मिलनसार व्यवहार।
स्वयं का वाहन अनिवार्य।

कार्य क्षेत्र :
रायपुर शहर

कार्य का समय :
सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक

वेतन : 12000/-प्रतिमाह

नीचे दिये गए नम्बर पर अपना बायोडाटा व्हाट्सएप्प या मेल करें :
9827555678 cir.haribhoomi@gmail.com

आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर 2026 शाम 5 बजे तक

प्रसार विभाग, हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी. सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधाएँ-
- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
- आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार
- TPA की सुविधा
संपर्क करें- 9009553889, 9090204620
पता - एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढियारी रायपुर
शाखा : मातृ स्मृति मंगल बाजार, नायर्स नर्सिंग होम के सामने, गुढियारी, रायपुर

पाइल्स
क्षार सूत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा देश विदेशों में भी प्रचलित।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 24 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937



15 मराठी सोहला में महिलाओं ने...

लाइव इवेंट

इंडस्ट्री रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स का मिलेगा मौका



रायपुर। एनआईटी और अवकलन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का फोकस कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग, एडवांस्ड सिमुलेशन टेक्नोलॉजीज और इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर है। एमओयू पर एनआईटी के डायरेक्टर डॉ. एनवी रमना राव और डायरेक्टर अवकलन लैब्स डॉ. कमल शंकर पटेल ने हस्ताक्षर किए। भारत के रिसर्च इकोसिस्टम के सामने लंबे समय से एक चुनौती रही है, अकादमिक ज्ञान को व्यावहारिक समाधानों में कैसे बदला जाए। विश्वविद्यालयों और रिसर्च संस्थानों में उपयोगी ज्ञान और पब्लिकेशन्स तैयार होते हैं, लेकिन उनमें से कई अकादमिक दायरे तक ही सीमित रह जाते हैं। उन्हें इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन्स, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और वास्तविक समस्याओं के समाधान देने वाले प्रोडक्ट्स तक पहुंचाना आसान नहीं होता। इसी दूरी को कम करने की दिशा में एनआईटी इस साझेदारी के तहत जॉइंट रिसर्च, प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप, इंडस्ट्री-स्पॉन्सर्ड पोस्टग्रेजुएट और डॉक्टोरल रिसर्च, तथा टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट के अवसर तलाशे जाएंगे। इसका उद्देश्य अकादमिक विशेषज्ञता को इंडस्ट्री की जरूरतों से जोड़ना और उसे औद्योगिक प्रगति तथा समाज के हित में उपयोगी बनाना है। इस अवसर पर डॉ. गंगाधर रामटेक्कर प्रोफेसर सिविल इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. एस. सान्याल प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग और डॉ. शिरीष वी. देव प्रोफेसर सिविल इंजीनियरिंग विभाग उपस्थित रहे।

इंडस्ट्री और एकेडमिक के बीच मजबूत साझेदारी

समझौते के तहत दोनों संस्थान कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स, फाइनाइट एलिमेंट एनालिसिस और मल्टीफिजिक्स सिमुलेशन जैसे क्षेत्रों में स्टूडेंट इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, अकादमिक प्रोजेक्ट्स और साझा रिसर्च की संभावनाएं तलाशेंगे। इस साझेदारी से जॉइंट पब्लिकेशन्स, पेटेंट्स और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को बढ़ावा मिल सकता है। इसके जरिए रिसर्च को व्यावहारिक इंजीनियरिंग समाधानों तक ले जाने की संभावनाएं भी बनेंगी। समझौता इंडस्ट्री की चुनौतियों से जुड़े एमटेक और पीएचडी रिसर्च के लिए इंडस्ट्री-स्पॉन्सर्ड अवसरों का ढांचा भी देता है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की संभावना तलाशना

समझौते का एक अहम हिस्सा एनआईटी में कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की संभावना तलाशना है। प्रस्तावित सेंटर साझा रिसर्च, विशेष प्रशिक्षण और एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल मेथड्स के विकास को समर्थन दे सकता है। इसके संभावित क्षेत्रों में स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स, इंजीनियरिंग ऑप्टिमाइजेशन और मल्टीफिजिक्स सिमुलेशन शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ संस्कृति और पुरातत्व विभाग की अभिनव पहल, देशी-विदेशी पर्यटक, शोधार्थी के लिए खास

सिरपुर, पुरखौती मुक्तांगन में लाइट एंड साउंड सिस्टम पुरात्व स्थल और धरोहर का देखेंगे लाइव नजारा

छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक पुरात्व स्थल व धरोहरें अब तकनीक के माध्यम से जीवंत बनेंगी। छत्तीसगढ़ संस्कृति और पुरातत्व विभाग द्वारा महासमुंद जिले के ऐतिहासिक स्थल सिरपुर और नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन में अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड सिस्टम के साथ-साथ वर्चुअल व लाइव प्रदर्शन की नई व्यवस्था की जा रही है। इस अभिनव पहल के जरिए देश-विदेश से आने वाले पर्यटक, शोधार्थी अब छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन पुरातात्विक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों को न सिर्फ देख सकेंगे, बल्कि उनके गौरवशाली इतिहास को बेहद करीब से लाइव जान और महसूस भी कर सकेंगे।



स्थापत्य कला और इतिहास का अनोखा संगम

महासमुंद जिले में महानदी के तट पर स्थित सिरपुर पांचवीं से आठवीं शताब्दी के बीच दक्षिण कोसल की राजधानी हुआ करता था। यहां का प्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर, आनंद प्रभु कुटी विहार और स्वास्तिक विहार आज भी बौद्ध, हिंदू और जैन धर्म के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की गवाही देते हैं। अधिकारियों के अनुसार, सिरपुर के इन ऐतिहासिक अवशेषों की दीवारों पर जब आधुनिक लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से लेजर किरणें और सतरंगी रोशनियां बिखरेंगी, तो पांचवीं शताब्दी का कालखंड पर्यटकों की आंखों के सामने सजीव हो उठेगा। दमदार वॉयस-ओवर और संगीत के जरिए सिरपुर के उत्थान, विदेशी यात्रियों के आगमन और इसके गौरवशाली इतिहास की पूरी गाथा लाइव सुनाई जाएगी।

हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में बहुभाषी ऑडियो गाइड

थ्री-डी मैपिंग तकनीक ऐतिहासिक स्मारकों पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ किए बिना, अत्याधुनिक प्रोजेक्टर की मदद से स्मारकों की दीवारों पर ही 3-डी दृश्यों का सजीव प्रदर्शन किया जाएगा। बहुभाषी ऑडियो गाइड देशी और विदेशी पर्यटकों की सुविधा के लिए यह शो हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में उपलब्ध हो सकता है, जिससे इतिहास को समझना और आसान हो जाएगा। लाइव और वर्चुअल टूर तकनीक के माध्यम से पर्यटक स्थलों के उन हिस्सों की जानकारियां भी लाइव देख सकेंगे, जहां आम तौर पर पहुंचना कठिन होता है। इसके जरिए धरोहरों के संरक्षण की तकनीक को भी लाइव दिखाया जाएगा। इस लाइट एंड साउंड सिस्टम की शुरुआत से राज्य में 'नाइट टूरिज्म' को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।



रायपुर। छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति और बेजोड़ स्थापत्य कला के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। राज्य की इसी ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पटल पर और अधिक आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने एक महात्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रदेश के विश्वप्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल सिरपुर और राजधानी रायपुर के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र पुरखौती मुक्तांगन को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। यहां जल्द ही भव्य लाइट एंड साउंड सिस्टम की शुरुआत होने जा रही है, जिसके माध्यम से सैलानी छत्तीसगढ़ के वैभवशाली इतिहास को लाइव देख और समझ सकेंगे।

'पुरखौती मुक्तांगन' में दिखेगा समूचा छत्तीसगढ़

पुरात्तव विभाग के प्रमुख पुरात्तवेता प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि पुरखौती मुक्तांगन परिसर, जो छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और कलाकृतियों का एक जीवंत खुला संग्रहालय है, वहां इस प्रोजेक्ट के तहत विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इस मुक्तांगन में राज्य के विभिन्न अंचलों के बस्तर से लेकर सरगुजा तक के पुरातात्विक स्थलों की अनुकृतियां और छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक किलों व धरोहरों को एक ही जगह प्रदर्शित किया गया है। यहां लगने वाले नए डिजिटल साउंड और लाइट सिस्टम के जरिए आगंतुक छत्तीसगढ़ के लोक नृत्यों, पारंपरिक कलाओं, और प्राचीन किलों के इतिहास को डिजिटल स्क्रीन और लाइव ऑडियो-विजुअल माध्यमों से बेहद आसान और मनोरंजक तरीके से जान सकेंगे।

शोधार्थी किताबी इतिहास को आंखों से देखकर समझेंगे

पुरात्व विभाग का कहना है कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली अतीत से जोड़ना है। किताबी इतिहास को जब लोग अपनी आंखों के सामने आधुनिक प्रकाश और ध्वनि के माध्यम से घटित होते देखेंगे, तो यह अनुभव उनके जेहन में हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। सिरपुर और पुरखौती मुक्तांगन में इस व्यवस्था के शुरू होने के बाद छत्तीसगढ़ आने वाले पर्यटकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना को लेकर कार्य अंतिम चरणों में है और जल्द ही इसे आम जनता व पर्यटकों के लिए साकार कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन एप्टिकॉन में जुटेंगे प्रतिभागी कई विषयों पर चर्चा, 1780 से अधिक लोग होंगे शामिल

एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एप्टि) द्वारा 24 और 25 अक्टूबर को 28वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन एप्टिकॉन 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह अधिवेशन पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। एप्टि सेंट्रल जोन द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है।

देशभर से 350 से अधिक फार्मेसी महाविद्यालयों की सहभागिता रहेगी



रायपुर। इस अधिवेशन के लिए अभी तक 1,780 प्रतिभागियों का पंजीयन हो गया है। इसमें शिक्षा जगत एवं फार्मास्युटिकल उद्योग से जुड़े 20 से भी अधिक वक्ता अपने विचार एवं अनुभव साझा करेंगे।

इस वैज्ञानिक कार्यक्रम में चार पैनल चर्चाएं की जाएंगी। छत्तीसगढ़ के 73 से अधिक एवं देशभर से 350 से अधिक फार्मेसी महाविद्यालयों की सहभागिता इस आयोजन में रहेगी। फार्मास्युटिकल शिक्षा, अनुसंधान एवं व्यावसायिक विकास पर संवाद के लिए राष्ट्रीय मंच सजेगा। शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी डॉ. अजाजुद्दीन, डॉ. शेखर वर्मा, प्रो. शिवशंकर शुक्ला, मुकेश शर्मा और डॉ. विशाल जैन ने संयुक्त रूप से दी।

आज राज्यपाल रमेन डेका करेंगे अधिवेशन का शुभारंभ

अधिवेशन की थीम फार्मा शिक्षकों का संकल्पः आत्मनिर्भर भारत के लिए विकसित फार्मासिस्ट है। यह विषय फार्मेसी शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करता है, जिसके माध्यम से दक्ष, नैतिक मूल्यों से युक्त, नवाचारशील एवं उद्योग की जरूरत के अनुरूप फार्मासिस्ट तैयार किए जा सकते हैं। समारोह का शुभारंभ राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे। प्रमुख अतिथियों में बी. आर. शंकरानंद, अति विशिष्ट अतिथिः डॉ. मिलिंद जे. उमेकर, अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया, प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, डॉ. दीपेंद्र सिंह, अध्यक्ष, स्थानीय आयोजन समिति एवं प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, डॉ. अम्बर व्यास, आयोजन सचिव एवं प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, तथा डॉ. मंजू सिंह, निदेशक, यूआईओपी, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शामिल होंगी।

प्रेमासाईं महाराज का दिव्य दरबार आज से

रायपुर। राजधानी के गुढ़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में मां मातंगी धाम के पीठाधीश्वर प्रेमासाईं महाराज का दिव्य दरबार लगेगा। यह दिव्य दरबार आज से 28 अक्टूबर तक आयोजित होगी। यह दिव्य दरबार प्रतिदिन सुबह 10 से रात 8 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन में प्रतिदिन दिव्य दरबार, भजन, सत्संग और धार्मिक अनुष्ठान होंगे। श्रद्धालुओं के लिए विशेष पूजा और मां मातंगी के दिव्य दर्शन की व्यवस्था भी रहेगी। पांचों दिन दिव्य दरबार में श्रद्धालु शामिल हो सकेंगे। भजन और सत्संग के माध्यम से भक्ति एवं आध्यात्मिक ज्ञान का संदेश दिया जाएगा। प्रतिदिन हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ भी होगा। श्रद्धालुओं के लिए पर्चे बनाने की विशेष व्यवस्था रहेगी। आयोजन की खास बात यह है कि पांचों दिन श्रद्धालुओं के लिए पर्चे बनाए जाएंगे। मां मातंगी की विशेष पूजा और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गई है। श्रद्धालुओं से तिलक लगाकर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।



राजधानी के गुढ़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में 28 अक्टूबर तक आयोजन

सिटी इवेंट

फेस्टिवल में पेयर रिस्ट वॉच का क्रेज, ब्रांडेड कलेक्शन पहली पसंद



रायपुर। गौरवपथ सिविल लाइंस स्थित टाईम एन स्टाइल में राडो की स्विस घड़ियों का भव्य अनावरण हुआ। शुक्रवार को दिवाली त्योहार के अवसर पर शहर के प्रीमियम घड़ियों के प्रेमियों के लिए विश्वप्रसिद्ध स्विस वॉच ब्रांड राडो के विशेष 8 नए वॉच कलेक्शन को लांच किया गया। टाइम एन स्टाइल वॉच शोरुम के संचालक हेमंत जैन ने बताया कि टाइम एन स्टाइल अपना 40 वां वर्ष सेलिब्रेट कर रहा है। ऐसे में रायपुरियंस के लिए खास आगामी करवा चौथ, दिपावली और शादी सीजन के लिए राडो का लग्जरी, उत्कृष्ट शिल्पकला और स्विस घड़ी निर्माण की बेमिसाल कलेक्शन लाया है। राडो वॉच अपनी विशिष्ट डिजाइन, आधुनिक तकनीक, प्रीमियम फिनिश और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए विश्वभर में जाना जाता है। इस विशेष फेस्टिवल कलेक्शन के माध्यम से ग्राहकों को आकर्षक टाइमपीस उपलब्ध कराना टाईम एन स्टाइल की पहली प्राथमिकता रही है। यह राडो का वॉच कलेक्शन न्यू मैरिड कपल्स के लिए करवा चौथ स्पेशल कपल पेयर गिफ्ट और दीपावली त्योहारों पर अपने खास रिश्तेदारों को अनोखा उपहार से त्योहार को यादगार बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करना है। यह प्रयास रोडो ब्रांड के वॉच के साथ हर वोकेशन में रौनक लाने, व्यक्तिगत स्टाइल और उपहार देने की परंपरा को एक खास अंदाज में जोड़ता हैं। टाइम एन स्टाइल में आयोजित यह अनावरण समारोह शहर के घड़ी प्रेमियों और लग्जरी लाइफस्टाइल के प्रेमियों के लिए एक खास पल में से एक है।

यह ब्रांडेड नए वॉच कलेक्शन पहली पंसद

ग्राहकों को राडो का विंटेज डाइविंग डिजाइन और आधुनिक तकनीक का मेल कैप्टन कुक वॉच, हाई-टेक सिरेमिक केस और बेसलेट वाली स्क्वायर डिजाइन टू स्क्वायर वॉच, विभिन्न रंगों और आकारों में आने वाला लोकप्रिय और बहुमुखी कलेक्शन सेंट्रिक्स वॉच, चमक और मजबूत बनावट के लिए जानी जाने वाली क्लासिक सीरीज डॉयस्टार ओरिजिनल, कलाई पर आराम से फिट होने वाली कर्व्ड डिजाइन एनैटम, स्पोर्टी और लक्जरी लुक का बेहतरीन संयोजन वाली हाइपरक्रोम, क्लासिक और स्लिम डिजाइन वाली ड्रेस वॉच फ्लोरेंस जैसी बेहतरीन घड़ियां पहली पसंद बन रही है, जो हर वोकेशन में प्रीमियम लाइफस्टाइल का बेहतरीन अनुभव देता है।

नटवर गोपीकृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार एवं नृत्यानंदलहरी उत्सव- 2026 का आयोजन

कथक और ओडिसी नृत्य की भाव-भंगिमाओं से सजी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

कार्नर न्यूज

रायपुर। ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन द्वारा नटवर गोपीकृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार एवं नृत्यानंदलहरी उत्सव- 2026 का आयोजन किया गया है। यह आयोजन गांधी मैदान स्थित रंगमंदिर ऑडिटोरियम में किया गया है। यह उत्सव संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय दुर्ग के सहयोग से किया जा रहा है। शुक्रवार को दस दिवसीय इस आयोजन के आठवें दिन देश भर से पहुंचे भारतीय शास्त्रीय नृत्य में पारंगत प्रतिभागियों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से समां बांधा। दिनभर चले नृत्य कार्यक्रम में देशभर से आए 246 से अधिक नृत्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी और ओडिसी सहित विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की विविधता और समृद्धि से परिचित कराया। कलाकारों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति, आकर्षक पदसंचालन, लयकारी और नृत्य की तकनीकी उत्कृष्टता ने रंगमंदिर के वातावरण को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के अलावा पद्मश्री इलियाना सितारिस्ती की ओडिसी प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। संध्याकालीन नृत्यानंदलहरी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भुवनेश्वर से पधारीं प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना पद्मश्री इलियाना सितारिस्ती की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति रही। उनकी अद्भुत नृत्य साधना, शास्त्रीय परंपरा पर गहरी पकड़, भावपूर्ण अभिनय और सशक्त कथात्मक अभिव्यक्ति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

त्रिभंगी, लयात्मक गतियों और सूक्ष्म भावाभिनय मुद्राओं से मोहा



प्रतिभागियों ने शास्त्रीय नृत्य कला में ओडिसी नृत्य की विशिष्ट मुद्राओं, त्रिभंगी, लयात्मक गतियों और सूक्ष्म भावाभिनय के माध्यम से नृत्य को एक जीवंत कथा के रूप में प्रस्तुत किया। कलाकारों की कलात्मक परिपक्वता और सहज सौंदर्य ने मंच पर ऐसा प्रभाव उत्पन्न किया कि दर्शक देर तक प्रस्तुति में खोए रहे। इसके साथ ही कथक, कुचीपुड़ी, भरतनाट्यम की भावपूर्ण मुद्राओं, ताल की लयबद्ध प्रस्तुतियों ने आनंद व उत्साह से भर दिया।

नृत्य में परंपरा और आध्यात्मिक भावनाओं की सुंदर झलक

आयोजन के प्रत्येक प्रस्तुति में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विशिष्ट शैली, परंपरा और आध्यात्मिक भावनाओं की सुंदर झलक देखने को मिली। युवा एवं बाल कलाकारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह संदेश दिया कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की परंपरा नई पीढ़ी के बीच निरंतर विकसित हो रही है। इस नृत्य प्रतियोगिता के मूल्यांकन के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित कला विशेषज्ञों को निर्णायक मंडल उपस्थित रहे।



वर्णिका और अनिका ने हासिल किया द्वितीय स्थान

नटवर गोपीकृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार एवं नृत्यानंदलहरी महोत्सव-2026 में संगीता कला अकादमी की वर्णिका तिवारी बॉलीवुड नृत्य श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अनिका बनर्जी ने भी द्वितीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। शास्त्रीय नृत्य की विद्या कथक में शानदार प्रस्तुति के लिए आदिश्री घोष को नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि श्रीनिता बख्शी को हिरण्मयी पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस सफलता के पीछे अकादमी की गुरु एवं मार्गदर्शक डॉ. संगीता कापसे का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके कुशल मार्गदर्शन, निरंतर प्रशिक्षण, अनुशासन और नृत्य के प्रति समर्पण ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने तथा बड़े मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

समाज लाइव

विवेकानंद विद्यापीठ में 25 और 26 को जुटेंगे युवा, होगा सम्मेलन



रायपुर। संस्कृति विभाग के सहयोग से विवेकानंद विद्यापीठ द्वारा 25 एवं 26 अक्टूबर को विवेकानंद युवा सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। विवेकानंद विद्यापीठ रामकृष्ण परमहंस नगर कोटा में यह सम्मेलन किया जाएगा। इसमें युवा प्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। साथ ही अन्य इच्छुक व्यक्ति भी सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागियों को पंजीयन प्रपत्र भरकर संस्था के ई-मेल पते पर भेजना होगा, पंजीयन निःशुल्क रहेगा। पंजीयन 24 अक्टूबर तक ही स्वीकार किया गया है। डॉ. ओमप्रकाश वर्मा ने बताया कि सम्मेलन में कई चिंतन योग्य विषयों को शामिल किया जाएगा। इसमें युवा शक्ति के प्रेरक रहे स्वामी विवेकानंद, स्वामी विवेकानंद की मनुष्य-निर्माणकारी शिक्षा, महानता के पथ-प्रदर्शक स्वामी विवेकानंद जैसे कई विषयों को संवाद के लिए चुना गया है। पहले दिन रविवार की शाम 5 बजे सम्मेलन का शुभारंभ स्वामी सर्वभूतानंदजी, स्वामी नरसिम्हानंदजी, स्वामी नित्यज्ञानंद महाराज की गरिमामय उपस्थिति होगी।

वैचारिक मंथन और संवाद का शाम तक चलेगा सिलसिला

उन्होंने आगे बताया कि दूसरे दिन सोमवार को सुबह 10 से शाम साढे 6 बजे तक संवाद का सिलसिला चलेगा। इसमें पहले सत्र के वक्ता स्वामी प्रपत्यानंद, स्वामी निर्विकानंद, डॉ. ओमप्रकाश वर्मा जैसे विद्वानों को सुनने का अवसर भी प्रतिभागियों को मिलेगा। इसमें शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों का वक्तव्य सुनने के लिए अलग-अलग सत्र के लिए जिम्मेदारी तय की गई है। इसके साथ ही दो दिनों तक चलने वाले आयोजन को सफलता दिलाने के लिए विद्यापीठ ने अलग-अलग टीम बनाने के साथ ही सत्र के मुख्य वक्ता सहित दो अन्य लोग भी मंचस्थ रहेंगे। इनके बीच प्रतिभागियों द्वारा वैचारिक मंथन और संवाद का सिलसिला चलाया जाएगा। प्रति सत्र के बीच में अगले सत्र की व्यवस्था बनाने के लिए समय भी निर्धारित किया गया है।

● राजधानी में सरोकार से जुड़ी संस्थाओं की अनूठी पहल, प्रत्येक रविवार कर रहे श्रमदान

मुक्तिधाम और तालाब को साफ-सुथरा रखने के लिए युवाओं का समूह निभा रहा भागीदारी

कुछ बेहतर करने की सोच से जुड़ी संस्थाएं युवाओं को साथ लेकर कई तरह के काम कर रहा है। इनमें मुक्तिधाम और तालाबों को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी अहम है। संस्थाओं से जुड़े युवाओं द्वारा अलग-अलग क्षेत्र के तालाबों की सफाई के लिए श्रमदान करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि सरोवर और मुक्तिधाम में अंतिम यात्रा का हिस्सा बनने वाले लोगों को बैठने और शोकसभा करने के लिए स्वच्छ वातावरण दिया जा सके। इसके लिए कुछ लोग प्रति संडे तो कई संस्थाएं महीने में एक बार श्रमदान से बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं।





रायपुर। इस क्रम में विगत नौ वर्षों से ग्रीन आर्मी संस्था से जुड़े 1500 युवाओं का समूह शहर के अलग-अलग क्षेत्र में स्थित तालाबों की दशा सुधारने के लिए प्रति संडे को श्रमदान से बदलाव और सुधार के लिए प्रयास कर रहा है। इसे लेकर संस्था के प्रमुख अमिताभ दुबे ने बताया कि वैसे तो युवा अलग-अलग क्षेत्र में स्थित 20 तालाबों को साफ-सुथरा रखने और कायाकल्प करने के लिए ग्रुप द्वारा प्रति संडे श्रमदान किया जाता है। आर्मी ने चार बड़े तालाबों की सफाई के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किया है। इससे रायपुरा स्थित गदही तालाब की स्थिति में काफी सुधार आया है। इसके साथ हमने महाराजबंध तालाब पुरानी बस्ती, गजराजबांध तालाब बोरियाखुर्द में भी प्रयास जारी रखा है। ग्रीन आर्मी से जुड़े युवाओं ने वृहद स्तर पर बूढ़ातालाब को बचाने के लिए मुहिम चलाई। लोगों को इस तालाब की महत्ता बताने और साथ-सुथरा रखने के लिए सचेत करने 2500 लोगों की सहभागिता से विशाल मानव श्रृंखला सजाने का दायित्व भी निभाया है।

मुक्तिधाम को गंदगी मुक्त रखने का प्रयास

आठ साल पहले अनुपम नगर मुक्तिधाम की स्थिति बेहद खराब थी। साफ-सफाई के अभाव में अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले लोगों को परिसर में बैठने और शोकसभा करने के लिए स्वच्छ वातावरण नहीं मिल पाता था। इसे देखते हुए खम्हारडीह दशहरा उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष ने मुक्तिधाम को व्यवस्थित करने श्रमदान करने का निर्णय लिया गया। रोहित साहू ने बताया कि समय-समय पर संडे को 42 से अधिक सदस्य श्रमदान से मुक्तिधाम परिसर को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रयास करते हैं। सफाई के दौरान निकलने वाले कचरे को निगम के माध्यम से व्यवस्था का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाता है, ताकि मुक्तिधाम ही नहीं शहर के अन्य क्षेत्र को गंदगी से बचाने में सहयोग दे सके।

संडे को श्रमदान करने खुद जुड़ते हैं लोग

टिकरापारा स्थित सरजूबांधा श्मशान घाट और तालाब की सफाई का दायित्व समिति के लोग निभा रहे हैं। इससे जुड़े माधव लाल यादव ने बताया कि मुक्तिधाम के आसपास लोगों ने कब्जा करना शुरू कर दिया था। इसे बचाने के बाद निगम की पहल पर बनवाई गई बाउंड्री से कचरा फेकने की परंपरा बंद हुई। परिसर में फैली गंदगी को हटाने के लिए स्थिति का जायजा लेने के बाद तय किए जाने वाले संडे को समिति से जुड़े 30 से अधिक लोग साफ-सफाई अभियान को गति देने के लिए तीन घंटे का समय और श्रमदान करते हैं। तालाब को गंदगी से बचाने के लिए भी प्रयास किया जाता है। अब तो आसपास के युवाओं की सहभागिता भी मिलने लगी है। इससे मुक्तिधाम में अंतिम यात्रा का हिस्सा बनने वाले लोगों को शोकसभा करने सहित साफ-सुथरा वातावरण देने का प्रयास जारी है। मुक्तिधाम के आसपास हरियाली के लिए पौधे भी रोपे गए हैं।

सिटी लाइव

नारी है सृजन की शक्ति, नारी ही है मान का 25 को आयोजन

रायपुर। वेंकटेश साहित्य मंच द्वारा रविवार को भव्य प्रस्तुतियों की श्रृंखला सजाई जाएगी। नारी है सृजन की शक्ति, नारी ही है मान, साहित्य के प्रांगण में नारी का सम्मान किया जाएगा। साहित्य प्रेमियों एवं सम्मानित महानुभावों की गरिमामय उपस्थिति में वेंकटेश साहित्य मंच के तत्वावधान में यह आयोजन किया जाएगा।

इस गरिमामयी, प्रेरणादायी एवं साहित्यिक आयोजन में भारी तादाद में साहित्यकार शामिल होंगे। सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करने के बाद साहित्य और नारी शक्ति के इस अनूठे उत्सव का हिस्सा बनने का अवसर दिया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्य विषय के रूप में शीर्षक अबला नहीं, सबला हूं मैं प्रभावी वक्तव्य से मंच को गरिमा प्रदान करने वाली है। आयोजक संस्था के संस्थापक मुकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में यह आयोजन होगा।

बोलते शब्द का विमोचन और काव्य गोष्ठी से सजेगा मंच

प्रमुख कार्यक्रम की श्रृंखला में भव्य काव्य गोष्ठी, सशक्त नारी सम्मान समारोह विशेष आकर्षण होगा। इस बीच पोषण कुमार की कृति 'बोलते शब्द' का विमोचन समारोह भी आयोजन का हिस्सा होगा। रविवार को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे के बीच सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में यह आयोजन होगा । जहां प्रबुद्ध श्रोताओं और वक्ताओं के बीच कड़ी की भूमिका मंच संचालन करते हुए संजय शर्मा निभाएंगे। साथ ही विमोचन और काव्य गोष्ठी से सभी श्रोताओं और प्रबुद्ध वक्ताओं को जोड़ने का प्रयास इस आयोजन के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए व्यवस्थागत तैयारी को अंतिम रूप दिया गया।

'सूत्रा इंडियन फैशन एग्जीबिशन' में दिवाली और करवाचौथ स्पेशल एडिट बना आकर्षण

तीन दिवसीय एग्जीबिशन 25 अक्टूबर तक, सुबह 10 से रात 9 बजे तक आयोजित

वीआईपी रोड़ स्थित होटल बेबीलोन इंटरनेशनल 'सूत्रा इंडियन फैशन एग्जीबिशन' का आयोजन किया गया है। शुक्रवार से शुरू हुए इस तीन दिवसीय आयोजन के पहले ही दिन फैशन के शौकीनों की भारी भीड़ देखी गई। 'दिवाली और करवाचौथ स्पेशल एडिट' के खास लग्जरी कलेक्शन ने ग्राहकों का दिल पूरी तरह जीत लिया है।



रायपुर। देश भर से आए 200 से अधिक टॉप एग्जीबिटर्स के डिस्प्ले को लोगों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। एग्जीबिशन में मौजूद कॉउचर वेअर, कॉस्ट्यूम, फाइन ज्वेलरी, होम डेकोर, हाई हील्स और एक्सेसरीज की ढेरों वैरायटी के कारण खरीदारी का गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है। डिज़ाइनर्स द्वारा पेश किए गए फेस्टिव आउटफिट्स त्योहार की तैयारियों के लिए महिलाओं की पहली पसंद बन रहे हैं। सूत्रा की टीम ने इस शानदार रिस्पॉन्स के लिए रायपुरवासियों का आभार जताया है। त्योहारी सीजन की बेहतरीन शुरुआत करते हुए 'सूत्रा इंडियन फैशन एग्जीबिशन' को शहरवासियों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

यह एग्जीबिशन 24 और 25 अक्टूबर को भी सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक जारी रहेगी। 'सूत्रा इंडियन फैशन एग्जीबिशन' शहरवासियों के लिए लेटेस्ट फेस्टिव ट्रेंड्स की खरीदारी करने का यह एक बेहतरीन मौका दे रहा है।

हाईटेक आंगनबाड़ी को आज समाजेवी ने डोनेट किए चेयर्स



रायपुर। हाईटेक आंगनबाड़ी में नौनिहालों की सुविधा बढ़ाने के लिए समाजसेवी पवन अग्रवाल और स्वपना अग्रवाल ने किड्स चेयर्स डोनेट किए हैं।

निगम द्वारा निर्मित राजधानी के पहले महतारी सदन में महाराष्ट्र मंडल की ओर संचालित हाईटेक आंगनबाड़ी (प्ले स्कूल) में 60 बच्चे हैं, जिन्हें खूब सारे खेल-खिलौनों के बीच प्रार्थना से लेकर अल्फाबेट, अक्षर और अंक ज्ञान जैसी बुनियादी शिक्षा का अभ्यास करवाया जाता है। बच्चों के बीच में शुक्रवार को समाजसेवियों ने अपना महत्वपूर्ण समय बिताया और कहा कि भविष्य में भी वे यहां आकर बच्चों के बीच रहना पसंद करेंगे। साथ ही इन बच्चों की सुविधाएं बढ़ाने की दृष्टि से यथासंभव जो भी जरूरी होगा, वे निःस्वार्थ भाव से करेंगे। उन्होंने महाराष्ट्र मंडल प्रकल्पों के तमाम सर्वसमाज हिताय कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस संस्था को लंबे अरसे से जानता हूं और किए जाने वाले कार्यों से प्रभावित हूं।

प्रभारियों ने सभी प्रकल्पों के बारे में दी जानकारी

अग्रवाल को प्रमुख समन्वयक श्याम सुंदर खंगन ने महाराष्ट्र मंडल के प्रकल्पों की जानकारी दी। हाईटेक आंगनबाड़ी प्रभारी डॉ. शुचिता देशमुख और शिक्षिका मेघा पोतदार ने दोनों अतिथियों को हाईटेक आंगनबाड़ी भवन दिखाकर पूरी जानकारी दी और यहां आने वाले बच्चों के निम्न आयवर्ग परिवारों के बारे में भी बताया। दिव्यांग बालिका विकास गृह प्रभारी मालती मिश्रा, सखी निवास प्रभारी नमिता शेष, शचिंद्र देशमुख सहित आंगनबाड़ी का समूचा स्टाफ इस मौके पर उपस्थित रहा। समाजसेवी परिवार ने बच्चों से संवाद करते हुए उनके बीच समय बिताया। साथ ही भविष्य में भी सुविधा बढ़ाने के लिए सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

आराधना

श्रीनारायण संदेश समाजम का वैश्विक दैवादशकम पाठ अभियान कल

रायपुर। श्री नारायण फोरम फॉर यूनिवर्सल ब्रदरहुड जर्मनी द्वारा 'ग्लोबल दैवादशकम रेसिटेशन कैंपेन' आयोजित किया गया है। यह आयोजन शंकर नगर गुरुमंदिरम में रविवार 25 अक्टूबर को शाम 7.15 बजे किया गया है। यह महान भारतीय आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक, समाज सुधारक और सार्वभौमिक भ्रातृत्व के समर्थक श्रीनारायण गुरु की सार्वभौमिक शिक्षाओं से प्रेरित एक उल्लेखनीय आध्यात्मिक पहल है। आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से शांति, सद्भाव और सार्वभौमिक बंधुत्व के संदेश का प्रसार करना है।

श्रीनारायण फोरम फॉर यूनिवर्सल ब्रदरहुड जर्मनी द्वारा 'ग्लोबल दैवादशकम रेसिटेशन कैंपेन' का आयोजन

एक मानवता एक विश्व एक परिवार

अभियान का लक्ष्य जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक साझा आध्यात्मिक प्रयास में शामिल करना है, जिससे यह सिद्ध हो सके कि प्रार्थना व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों को जोड़ने वाला एक सेतु बन सकती है। एक मानवता एक विश्व एक परिवार श्री नारायण गुरु के सार्वभौमिक आदर्शों के अनुरूप, श्री नारायण संदेश समाजम शंकर नगर रायपुर इस वैश्विक आध्यात्मिक पहल में भाग ले रहा है। यह आयोजन भक्तों और समाज के सदस्यों को प्रार्थना में एक साथ आने, गुरु की शिक्षाओं पर विचार करने और सार्वभौमिक बंधुत्व के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने का अवसर प्रदान करेगा। यह सामूहिक प्रार्थना मानवता के बंधनों को मजबूत करे और स्थायी शांति, सद्भाव और सार्वभौमिक बंधुत्व को प्रेरित करे। वीजी शशिकुमार अध्यक्ष श्रीनारायण संदेश समाजम शंकर नगर ने सभी सदस्यों, भक्तों, परिवारों, मित्रों और शुभचिंतकों को इस ऐतिहासिक वैश्विक प्रार्थना पहल में भाग लेने के लिए सादर अपील किया है।

रंगारंग प्रस्तुति के साथ मराठी मेला का आगाज

कार्नर न्यूज

मराठी सोहला में महिलाओं ने आकर्षक प्रस्तुतियों से बांधा समां, दर्शकों ने भी लोककला को सराहा

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की 91वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार शाम को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मराठी सोहळा (मेला) का शुभारंभ किया गया। महिला केंद्रों, सर्व मराठी समाज और सर्व समाज की महिलाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा, जिसे दर्शक अरसे तक याद रखेंगे। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होने से पहले मराठी मेले में आकर्षक स्टाल्स का विधिवत शुभारंभ विशेष अतिथि चांगदेव भेंडारकर ने किया। वहीं मेले का आगाज दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की डायरेक्टर आस्था कार्लेकर और सुप्रसिद्ध समाजसेवी भारती ठाकुर ने किया। मराठी मेले में मुख्य लॉबी में शेखर क्षीरसागर टीम द्वारा बनाई गई भव्य रंगोली लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि कार्लेकर ने कहा कि मंडल निश्चित ही हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रहा है। कला के क्षेत्र में मंडल को और अधिक काम करके स्थानीय लोक कलाकारों को आगे लाने, मंच प्रदान करने की दिशा में काम करना चाहिए।





पंथी, करमा, राउत नृत्य और सुआ को मिले पहचान

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर इस उद्देश्य को लेकर मंडल के साथ काम करने को तैयार है। ताकि छत्तीसगढ़ का पंथी, करमा, राउत, सुआ जैसी लोक नृत्य और आर्ट फार्म को पूरे देश में सामने लाया जा सके। विशेष अतिथि भारती ठाकुर ने कहा कि वर्षों पहले जब मै पहली बार इंदौर गई, तो वहां कई जगह कचरे के ढेर से उठती बदबू को मैंने महसूस किया था। वहां के लोगों ने स्वच्छता को लेकर जिद पकड़ी और आज इंदौर लगातर आठ बार देश का सर्वाधिक स्वच्छ शहर होने का गौरव हासिल कर सका है। ऐसा ही उदाहरण यहां का महाराष्ट्र मंडल है। इसे बनाते समय पॉकेट में पर्याप्त पैसे नहीं थे, फिर भी यहां के लोगों में जिद और टीम वर्क था, जिससे यहां 10 करोड़ रुपये का भवन बन सका। पूरे देश में घूमकर कई महाराष्ट्र मंडलों को देखकर मैं कह सकती हूं कि रायपुर जैसा महाराष्ट्र मंडल मैंने कहीं नहीं देखा।

योजना में गुरुकुल और गौशाला प्राथमिकता

विशेष अतिथि पेस्ट कंट्रोल विशेषज्ञ चांगदेव भेंडारकर ने महिला बाहुल्य दर्शकों से भरे सभागृह में अपने घरों के किचन को काकरोच से लेकर चूहों तक से बचाने के लिए विभिन्न उपाय बताए। भेंडारकर ने कहा कि बच्चों में मोबाइल को लेकर बढ़ती दीवानगी को नियंत्रित करने की जरूरत है। आज हर किसी को 50 हजार रुपये का मोबाइल चाहिए। इसकी बजाय हम उन बातों पर ध्यान लगाएं, जो जीवन में काम आएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय काले ने मंडल के 91 वर्षों के गौरवशाली सफर का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने वर्तमान में समाजसेवा कर रहे प्रकल्पों की जानकारी दी और बताया कि भविष्य में योजना गुरुकुल और गौशाला की है।

ऑनलाइन दवाओं की बिक्री और ड्रग्स के लिए दवाओं के दुरुपयोग की होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऑनलाइन दवाओं की बिक्री और नशीले पदार्थों के रूप में दवाओं के दुरुपयोग पर निगरानी बढ़ाने के साथ ही बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्ती के मामलों में वित्तीय जांच करने पर जोर दिया गया है। केंद्र सरकार की नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन (एनसीओआरडी) व्यवस्था के तहत हुई 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक में नशे के कारोबार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क की जांच, नशे की रोकथाम और नशे के आदी लोगों के उपचार एवं पुनर्वास से संबंधित निर्देश दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने इन निर्देशों के अनुपालन के लिए नगरीय निकायों में नोडल अधिकारी बनाने कहा गया है। केंद्र के निर्देशों में दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन के लिए मानदंड तय करने, दवाओं के अवैध इस्तेमाल और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के नशीले पदार्थों के कारोबार में पहुंचने की आशंका पर निगरानी रखने तथा ऑनलाइन फार्मेसी की गतिविधियों पर नजर रखने को कहा गया है। इसका उद्देश्य वैध दवाओं के दुरुपयोग और उनके अवैध कारोबार में इस्तेमाल को रोकना है।नशे के नेटवर्क की पड़ताल पर जोरबड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती के मामलों में केवल जब्त सामग्री तक जांच सीमित नहीं रखने, बल्कि उसके पीछे के वित्तीय लेनदेन और पूरे नेटवर्क की पड़ताल करने पर भी जोर दिया गया है।

अलग खबर

बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्ती के मामलों में वित्तीय जांच पर जोर

एनटीएफ बनाने के निर्देश

इसी कड़ी में राज्यों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को पूर्णकालिक, समर्पित और पर्याप्त संसाधनों से लैस इकाई के रूप में विकसित करने की बात कही गई है। नशे के मामलों में पुलिस और दूसरी जांच एजेंसियों के बीच सूचनाओं का बेहतर आदान-प्रदान करने तथा अपराध संबंधी जानकारी संबंधित पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि नशे के नेटवर्क और उसके सरगनाओं के खिलाफ समन्वित कार्रवाई की जा सके।



एनडीपीएस केस की सुनवाई में तेजी

केंद्र के निर्देशों में स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नशामुक्त परिसर की व्यवस्था विकसित करने, नशीले पदार्थों की बिक्री और उपलब्धता रोकने तथा एनडीपीएस मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए भी कदम उठाने पर जोर दिया गया है। हालांकि, राज्य के नगरीय प्रशासन विभाग के पत्र में इन निर्देशों के अनुपालन की जानकारी मांगी गई है।

निकायों के बनाने होंगे नोडल अधिकारी

दूसरी ओर, नशे की मांग घटाने, जन-जागरूकता बढ़ाने और नशे के आदी लोगों के उपचार एवं पुनर्वास पर भी ध्यान देने को कहा गया है। छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने 22 अक्टूबर को जारी पत्र में सभी नगर निगम आयुक्तों और नगर पालिका परिषदों तथा नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी नामांकित करने को कहा है। इन अधिकारियों को नशे की मांग में कमी, उपचार, पुनर्वास और जागरूकता से संबंधित गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दी जाएगी।नगरीय निकायों से निर्धारित प्रारूप में नामांकित अधिकारियों के नाम, पदनाम और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने को कहा गया है। क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को अपने अधीनस्थ निकायों से जानकारी जुटाकर सात दिन के भीतर एकीकृत रिपोर्ट संचालनालय को भेजनी है।

ड्रग्स जब्ती के बाद करना होगा ये काम

निर्देशों के अनुसार, व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स जब्ती के मामलों में वित्तीय जांच और आरोपियों के पिछले संपर्कों की जांच की जानी चाहिए। नशीले पदार्थों के कारोबार से अर्जित आय की पहचान कर उसे जब्त करने तथा नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करने पर भी जोर है।

खबर संक्षेप

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश का पुतला दहन



रायपुर। वोट चोरी के आरोपों को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में गोगांव मुख्य मार्ग पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर जिस तरह के सवाल सामने आ रहे हैं, उनसे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हमारा आरोप है कि मतदाता सूची में अनियमितताओं के जरिए मतदाताओं के अधिकार प्रभावित किए जा रहे हैं। लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक का मत महत्वपूर्ण है और किसी भी मतदाता को उसके मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मतदाता सूची से जुड़े सभी सवालों की निष्पक्ष जांच हो, पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखे जाएं तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

कांग्रेस बोली- त्योहारी सीजन में महंगाई से आम आदमी का बिगड़ गया बजट

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, त्योहारी सीजन में महंगाई से आम आदमी का बजट गड़ गया है। देश का थोक महंगाई सूचकांक आजादी के बाद सबसे ऊंचे पायदान 10 (9.78) तक पहुंच गया है। रोजमर्रा की जरूरतों के समान की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बढ़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे हैं। श्री बैज ने कहा, राशन सामग्री के दाम दोगुने हो गए हैं, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा बढ़े बिजली बिल से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। जो सामान जनवरी 2015 में 1000 का था वह अक्टूबर 2026 में 1729 रुपए का हो गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बद्तर दिन में जीवन काटने को मजबूर है। श्री बैज ने कहा, शक्कर एवं खाद तेलों की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया है। पिछले कुछ माह में शक्कर की कीमत में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। खाद तेल के दाम दोगुने हो गए है। प्याज 60 रुपए किलो पहुंच गया है। दाल की कीमत दोगुनी हो गई है, लहसुन, टमाटर एवं सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं।

सीएस विकासशील ने अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख विषयों और उत्कृष्ट पहलों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के लिए शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पिछले राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़े विषयों पर चर्चा के साथ-साथ एक्शन ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से कार्यों की प्रगति और गुणात्मक सुधार की समीक्षा की गई।

शिक्षा, स्वास्थ्य और नवाचारों पर विशेष जोर: बैठक में मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों के सचिवों को निर्देश दिए कि आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्य के नवाचारों और गुणात्मक सुधारों को प्रमुखता से रखा जाए। उन्होंने शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर तैयार करने के निर्देश दिए ताकि राज्य के प्रयासों और सकारात्मक परिणामों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।



आंगनबाड़ी केंद्रों में खिलौना बैंक की अनूठी पहल

बैठक के दौरान राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित खिलौना बैंक की पहल की विशेष रूप से सराहना की गई। इस अभिनव योजना के तहत लोग अपने बच्चों के पुराने खिलौने जमा करते हैं, जिनका उपयोग आंगनबाड़ी के बच्चों के मानसिक विकास और उनके सुपोषण के प्रति जनजागुरूकेंट बढ़ाने के लिए किया जाता है। अब तक इस पहल के अंतर्गत एक लाख से अधिक खिलौने जमा किए जा चुके हैं।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर केंद्रित सत्र

बैठक में यह जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय सम्मेलन में विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए मुख्य रूप से चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। विकसित भारत के लिए विशिष्ट प्राथमिकताएं और उद्देश्य, आर्थिक विकास एवं राज्य के वित्त को मजबूत बनाने में खनन क्षेत्र की भूमिका, सुशासन में तकनीक का प्रभावी उपयोग, सड़क व अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए नए विचार और बेहतर कार्यप्रणाली पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं पोषण, गैर- कृषि कार्यों में उर्वरकों के दुरुपयोग पर नियंत्रण, प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने और अंतरराज्यीय प्रतिस्पर्धा से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

शामिल हुए ये अधिकारी

बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, कौशल विकास विभाग के सचिव बसवराजू एस., राजस्व विभाग की सचिव शम्मी आबिदी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, आदिम जाति विभाग के सचिव भुवनेश यादव, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, गृह विभाग की सचिव नेहा चम्पावत तथा मुख्यमंत्री के विशेष सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क रजत बंसल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

वित्त विभाग अप्रैल से अक्टूबर तक की वास्तविक कमाई के बजट अनुमान से करेगा तुलना

नए बजट में राजस्व बढ़ाने के प्रस्तावों पर विभागवार चर्चा 29 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट के लिए राजस्व प्राप्तियों के प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वित्त विभाग 29 और 30 अक्टूबर को विभागवार चर्चा करेगा। इसमें नए बजट के लिए राजस्व प्राप्तियों के प्रस्तावों के साथ चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अक्टूबर तक हुई वास्तविक राजस्व प्राप्ति की तुलना बजट में तय लक्ष्य से की जाएगी।

वित्त विभाग के 22 अक्टूबर के अनुसार, समीक्षा में यह देखा जाएगा कि चालू बजट में राजस्व प्राप्ति के लिए जो प्रावधान किए गए थे, उनके मुकाबले वास्तविक कमाई कितनी हुई है। इसके साथ वर्ष 2026-27 के संशोधित अनुमान और वर्ष 2027-28 के बजट अनुमान के लिए राजस्व प्राप्तियों के प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। 29 अक्टूबर को वाणिज्यिक कर (जीएसटी), आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीयन और खनिज साधन विभाग की बैठकें निर्धारित हैं। अगले दिन 30 अक्टूबर को ऊर्जा, परिवहन, जल संसाधन, राजस्व और वन विभाग के राजस्व प्रस्तावों पर चर्चा होगी। बैठकें वित्त सचिव की अध्यक्षता में मंत्रालय में होंगी।

यह प्रक्रिया क्यों है खास

यह प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन विभागों से मिलने वाला राजस्व राज्य के बजट संसाधनों का अहम हिस्सा है। वास्तविक प्राप्तियों और बजट अनुमान के बीच अंतर की समीक्षा से अगले बजट के लिए राजस्व का आकलन करने में मदद मिलेगी। हालांकि, पत्र में किसी विभाग की वास्तविक कमाई, लक्ष्य से कमी-बढ़ोतरी या नए बजट में राजस्व बढ़ाने के प्रस्तावों की राशि नहीं दी गई है।

ठेकेदार ने बिना अनुमति लिए बंद कराया सफाई कार्य

रायपुर। राजधानी रायपुर के जोन-9 अंतर्गत एक सफाई ठेकेदार ने बिना अनुमति लिए सफाई का काम पिछले चार दिनों से बंद करा दिया है। इसकी जानकारी मिलने पर जोन कमिश्नर ने ठेकेदार पर न केवल 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, बल्कि कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ठेकेदार से अनुबंध निरस्त किया जाएगा। जोन कमिश्नर हितेंद्र यादव ने बताया कि वार्ड-8 क्षेत्र अंतर्गत बीएसयूपी खालबाड़ा में सफाई व्यवस्था का काम बंद है। इस क्षेत्र का ठेका मेसर्स नवाज इंटरप्राइजेस को मिला है। कमिश्नर ने बताया कि काम बंद करने से पहले ठेकेदार ने इसकी न ही उन्हें सूचना दी और न ही अनुमति ली है।

अंतिम फ्लाइट कोलकाता की रात 9.35 बजे, रोज 28 से 29 उड़ानें

विंटर शेड्यूल में समय बदला, 8.25 के बजाय 7.55 बजे होगी दिल्ली की पहली उड़ान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विंटर शेड्यूल में फिलहाल नई फ्लाइट का ऑपरेशन शुरू नहीं हुआ है, मगर पहली उड़ान की टाइमिंग में बदलाव जरूर किया गया है। अब दिल्ली की पहली फ्लाइट 8.25 के बजाय 7.55 बजे रायपुर से टेकऑफ होगी। रात में इंडिगो की अंतिम फ्लाइट 9.35 बजे कोलकाता के लिए रवाना होगी।

- विंटर शेड्यूल 25 अक्टूबर से लागू होगा

विंटर शेड्यूल 25 अक्टूबर से लागू होगा, जिसके बाद यात्रियों को सुबह दिल्ली जाने के लिए जल्दी एयरपोर्ट जाना पड़ेगा। इस सीजन में एयर इंडिया की फ्लाइट सुबह 7.25 बजे रायपुर में लैंड होकर 7.55 बजे टेकऑफ करेगी।



इसके बाद दिनभर विमानों की आवाजाही का दौर चलता रहेगा और रात में एयर इंडिया ही अपनी अंतिम फ्लाइट (दिल्ली) की रात 8.45 बजे रवाना होगी। एयर इंडिया ने फिलहाल अपनी उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं की है। वहीं अलायंस एयर अब अंबिकापुर-रायपुर के बीच मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को फ्लाइट का संचालन करेगी। समर शेड्यूल में विमानन कंपनी समर शेड्यूल में रायपुर-रीवा (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार), जगदलपुर (मंगलवार, गुरुवार, शनिवार) के बीच फ्लाइट का संचालन करती थी। रायपुर इंडिगो सर्वाधिक उड़ानों का संचालन करती है। वर्तमान में रोजाना औसतन 25 उड़ानों का संचालन करती है, जो दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, लखनऊ, कोलकाता, भुवनेश्वर, चेन्नई, गोवा, भोपाल, जगदलपुर, इंदौर, पुणे और नवी मुंबई को जोड़ती है।

विंटर में इन उड़ानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और न ही नया शहर जोड़ा गया है, मगर अब बुधवार को इंडिगो द्वारा सबसे अधिक उड़ानों का संचालन किया जाएगा। रायपुर से अंतिम उड़ान इंडिगो की होगी, जो कोलकाता रवाना होगी। यह फ्लाइट रात 9.35 बजे टेकऑफ होकर 11 बजे कोलकाता में लैंड होगी।

दुर्ग, जगदलपुर बिलासपुर, रायगढ़, नवा रायपुर और आरंग में लगभग 42.17 करोड़ के आवास बिके

शासन के बल्क परचेस निर्णय का असर संस्थाओं ने खरीदे 226 आवास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आवासीय योजनाओं को अधिक प्रभावी, व्यावहारिक और जनहितैषी बनाने लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के लंबे समय से रिक्त आवासों के विक्रय के लिए बल्क परचेस की अनुमति दिए जाने से प्रदेश में आवासीय संपत्तियों के विक्रय को नई गति मिली है। इस निर्णय के फलस्वरूप विभिन्न शासकीय एवं निजी संस्थाओं द्वारा अपने कर्मचारियों की आवासीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़ी संख्या में मकानों की खरीदी की जा रही है। छह शहरों में 226 आवासों का विक्रय, लगभग 42.17 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है।

वित्त एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा निर्मित आवासों के बेहतर उपयोग, रिक्त संपत्तियों के विक्रय और आवासीय परिसरों में बसाहट बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बल्क परचेस की व्यवस्था से जहां लंबे समय से खाली पड़े भवनों का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है, वहीं मंडल को राजस्व प्राप्त होने के साथ आवासीय परिसरों में नागरिक सुविधाओं और रखरखाव की व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की संभावना है।



छह शहरों में 42.17 करोड़ रुपये का कारोबार

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा संचालित विभिन्न आवासीय योजनाओं के अंतर्गत अब तक दुर्ग, जगदलपुर, बिलासपुर, रायगढ़, नवा रायपुर अटल नगर एवं आरंग में संस्थागत खरीदी के माध्यम से कुल 226 आवासों का विक्रय किया गया है। इन आवासों का कुल मूल्य लगभग 42.17 करोड़ रुपये है।

राज्य मंत्रिपरिषद के ऐतिहासिक निर्णय से खुला रास्ता

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर- 16, 30 एवं 34 में प्रधानमंत्री सह-मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा निम्न आय वर्ग के लिए बड़ी संख्या में आवासों का निर्माण किया गया है। योजना के प्रथम चरण में कुल 6,296 भवनों का क्रियान्वयन किया गया था। इन आवासों के विक्रय के लिए समय-समय पर विज्ञापन जारी किए जाने के बावजूद कुछ भवन लंबे समय तक अविक्रित रहे। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा लिया गया यह निर्णय दूरदर्शिता, व्यावहारिक सोच और जनहित का महत्वपूर्ण उदाहरण है। मंडल के आयुक्त अवनीश कुमार शरण ने बताया कि शासन के निर्णय के बाद विभिन्न शासकीय एवं निजी संस्थाओं द्वारा मंडल की आवासीय योजनाओं में बल्क परचेस के प्रति रुचि दिखाई जा रही है।

लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा

चरौदा-धरसींवा मार्ग पर 3.20 किलोमीटर सड़क फोरलेन का ले रही रूप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के चरौदा–धरसींवा मार्ग को चौड़ीकरण कर फोरलेन का रूप दिया जा रहा है। इस मार्ग पर लगभग 3.20 किलोमीटर लंबी सड़क को फोरलेन बनाया जा रहा है। सड़क का चौड़ीकरण होने से इस मार्ग से आवागमन करने वाले धरसींवा विकासखंड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

चरौदा-धरसींवा मार्ग यातायात व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मार्ग पूर्व में रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा रहा है। धरसींवा विकासखंड मुख्यालय के विभिन्न शासकीय कार्यालय इस मार्ग के दोनों ओर स्थित हैं। इसके साथ ही मुख्यालय की प्रमुख आवासीय बसाहट भी इसी मार्ग के आसपास विकसित हुई है। ऐसे में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिकों, शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं यात्रियों का इस मार्ग से आवागमन होता है। इस मार्ग से रायपुर-कवर्धा, रायपुर-सिमगा एवं रायपुर-बिलासपुर मार्गों पर संचालित यात्री बसों के साथ ही भारी एवं हल्के वाहनों का भी आवागमन होता है। यातायात के बढ़ते दबाव और सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विशेषकर शासकीय कार्यालयों तक पहुंचने वाले ग्रामीणों, यात्रियों एवं स्थानीय निवासियों को परेशानी होती है। सड़क के चौड़ीकरण एवं फोरलेन निर्माण से इन समस्याओं का समाधान होने के साथ ही क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा।



डिवाइडर के दोनों तरफ 7-7 मीटर चौड़ी

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता विशाल त्रिवेदी ने बताया कि चरौदा-धरसींवा मार्ग पर फोरलेन बिटुमिनस (बीटी) सड़क बनाई जा रही है। इस सड़के पर डिवाइडर के दोनों ओर 7-7 मीटर चौड़ी बीटी सड़क बनाई जा रही है। इसके अतिरिक्त मार्ग के दोनों ओर 1 मीटर चौड़ी एवं 1 मीटर गहरी नालियों के निर्माण का प्रावधान किया है। सड़क के दोनों ओर 1.50 मीटर चौड़ाई के सीसी शोल्डर भी बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था होने से बारिश के दौरान सड़क पर जलभराव की समस्या कम होगी।

धान का बकाया भुगतान लेने किसान 26 से शुरू करेंगे 'दाम सत्याग्रह'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

समर्थन मूल्य वृद्धि का लाभ देते हुए 3358 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की मांग और 2024-25 एवं 2025-26 की धान की अंतर राशि क्रमशः 117 एवं 186 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान, राजीव गांधी किसान न्याय योजना की बकाया चौथी किस्त की मांग के साथ समर्थन मूल्य गारंटी कानून की मांग को लेकर प्रदेश किसान संघ 26 अक्टूबर से प्रदेशभर में दाम सत्याग्रह यात्रा निकालने की तैयारी में है। इसके तहत किसान भुगतान यात्रा प्रदेशभर के किसान शुरू करने को मजबूर हैं। उपरोक्त मांगों को लेकर दाम सत्याग्रह 30 जनवरी 2026 से किसान संगठनों के साझा अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। प्रदेश किसान संघ के संयोजक सुदेश टीकम, मोतीलाल सिन्हा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि सरकार से किसानों की 6066 करोड़ रुपए की लेनदारी है। वर्ष 2024-25 में धान के समर्थन मूल्य में 117 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई, लेकिन इसका लाभ किसानों को नहीं दिया गया। इस वर्ष सरकार ने 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा, जिसकी 117 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अंतर की राशि 1743 करोड़ का भुगतान बकाया है। इसी तरह पिछले साल 2025-26 में 69 रुपए समर्थन मूल्य की वृद्धि हुई, 117 रुपए के साथ सकल वृद्धि 186 रुपए हो गई है। सरकार ने इस सीजन में 2623 करोड़ रुपए अंतर राशि का भुगतान भी नहीं किया है। साथ ही राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त की राशि 1700 करोड़ रुपए का भुगतान भी बाकी है। ऐसे में किसानों का सरकार पर कुल 6066 करोड़ रुपए का बकाया है। इसके तत्काल भुगतान की मांग प्रदेश किसान संघ कर रहा हैं। प्रदेश किसान संघ ने किसान-भुगतान यात्रा निकालकर जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन और ज्ञापन देने की रणनीति बनाई है। 26 अक्टूबर को राजधानी में, 27 को धमतरी, 28 को कांकेर, 29 को कोंडागांव, 30 को जगदलपुर एवं 31 अक्टूबर को नारायणपुर जिला मुख्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

समर्थन मूल्य वृद्धि का लाभ नहीं मिलने की पत्रकारवार्ता में दी जानकारी

खबर संक्षेप



चिकित्सकों की लंबित मांगों पर सांसद बृजमोहन को सीजीडीएफ का ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ डॉक्टर फेडरेशन ने प्रदेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने और चिकित्सकों की लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह लोधी, डॉ. गंधर्व पांडे, डॉ. योगेश्वर स्वर्णकार एवं डॉ. प्रवीण प्रधान उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सकों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया। साथ ही, छत्तीसगढ़ डॉक्टर फेडरेशन की नई कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। सीजीडीएफ ने मांग की है कि चिकित्सकों को एनओसी जारी करने के लिए संपत्ति गिरवी रखने की बाध्यकारी शर्त समाप्त की जाए तथा शपथ-पत्र के आधार बनाया जाएगा। एमबीबीएस बांडेड चिकित्सकों के मानदेय में आदेश अनुरूप शीघ्र आदेश जारी कर चिकित्सकों को इसका लाभ दिया जाए। अनुबंधित पीजी चिकित्सकों की वेतन विसंगति दूर कर सहमत मानदेय प्रदान किया जाए। संविदा जूनियर रेजिडेंट चिकित्सकों का मानदेय बढ़ाया जाए।

तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाने हेतु प्राचार्यों को ट्रेनिंग



रायपुर। कलेक्टर डा. गौरव सिंह एवं सीएमएचओ डा. मिथिलेश चौधरी के निर्देशन पर शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने तथा विद्यार्थियों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान विषय पर प्राचार्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम दो बैचों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर डॉ. शिल्पा जैन एवं डॉ. राज दीवान, एसोसिएट प्रोफेसर, शासकीय डेंटल कॉलेज, रायपुर, तथा डॉ. आनंद वर्मा, राज्य सलाहकार तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं डॉ. सृष्टि यदु, जिला सलाहकार द्वारा प्राचार्यों को तंबाकू नियंत्रण एवं तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गईं। प्रशिक्षण के दौरान प्राचार्यों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों, तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के दिशा-निर्देशों तथा शिक्षण संस्थानों में तंबाकू निषेध संबंधी नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम नेहा सोनी, सोशल वर्कर; अजय कुमार बैस, काउंसलर; एवं कोमल साहू, सचिव सहायक के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी रूप से लागू करना, विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है।

रेरा में लंबित मामलों की सुनवाई से गायब रहते हैं नगरीय निकायों के प्रतिनिधि, अब मौजूदगी अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगरीय प्रशासन विभाग ने आयुक्तों और सीएमओ को जारी किए निर्देश

छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के समक्ष लंबित मामलों की सुनवाई में अब संबंधित नगरीय निकायों के अधिकृत अधिकारी या वैध प्रतिनिधि की उपस्थिति अनिवार्य होगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी कर प्रत्येक सुनवाई में नगरीय निकाय का पक्ष रखने और निर्धारित समय में जरूरी दस्तावेज एवं जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। निर्देशों का पालन नहीं होने से मामलों के निराकरण में देरी होने पर संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। संचालनालय का यह निर्देश छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर के रजिस्ट्रार के पत्र के संदर्भ में जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, रेरा के समक्ष विभिन्न नगरीय निकायों से संबंधित प्रकरण विचाराधीन हैं और उनकी सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। इन मामलों में संबंधित नगरीय निकाय आवश्यक पक्षकार हैं। इसीलिए प्रकरणों से जुड़े तथ्यों, अभिलेखों और आवश्यक कार्रवाई के संबंध में उनका पक्ष एवं अभिमत प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया जाना जरूरी है। इसी समस्या को देखते हुए संचालनालय ने निर्देश दिया है कि रेरा में लंबित प्रत्येक प्रकरण के लिए संबंधित नगरीय निकाय का अधिकारी अथवा वैध प्रतिनिधि प्राधिकरण द्वारा निर्धारित हर सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित हो। उसे नगरीय निकाय का पक्ष प्रस्तुत करने के साथ जरूरी अभिलेख और जवाब भी समय पर उपलब्ध कराने होंगे।

अनुपस्थिति से सुनवाई और निराकरण में देर

विभागीय पत्र में कहा गया है कि सुनवाई के दौरान नगरीय निकायों के अधिकृत अधिकारियों या प्रतिनिधियों की नियमित उपस्थिति नहीं होने और प्राधिकरण द्वारा मांगी गई जानकारी, दस्तावेज तथा अनुपालन समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण सुनवाई एवं अंतरिम निराकरण में अनावश्यक विलंब होता है। इसके परिणामस्वरूप प्रकरण लंबित रहते हैं और प्राधिकरण की निर्धारित सुनवाई प्रक्रिया अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाती।



लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी

निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि अनधिकृत अनुपस्थिति अथवा अपेक्षित अभिलेख और जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण यदि किसी प्रकरण के निराकरण में विलंब होता है, तो इसके लिए संबंधित अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे। इससे रेरा में चल रहे मामलों में नगरीय निकायों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और सुनवाई की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर जोर दिया गया है। संचालनालय ने निर्देश सभी नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को भेजे हैं। इसकी प्रतिलिपि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव और रेरा के रजिस्ट्रार को सूचना के लिए तथा विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी के लिए प्रदेशभर के लिए अब तक 3.50 लाख गठान बारदाना क्रय किए गए

बारदाना की कीमत हुई दोगुनी, 80-85 रुपए की जगह अब 145-150 रुपए के भाव से खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से होने की संभावना है। धान खरीदी के पहले राज्य सरकार इसकी तैयारियों के साथ बारदानों की व्यवस्था में जुटी हुई है। इसके तहत पुराने बारदानों की खरीदी के साथ नए बारदानों की भी खरीदी की जा रही है। अधिकारिक सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार इस बार नए बारदाना की खरीदी कर ली गई है। अब तक साढ़े तीन लाख गठान बारदानों की खरीदी हुई है, लेकिन इस साल नए बारदानों की खरीदी ने सरकार के खर्च का बजट बढ़ा दिया है। इस बार प्रति बारदाना 145 रुपए से लेकर 150 रुपए के भाव से क्रय किया है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना है, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 80 से लेकर अधिकतम 85 रुपए प्रति बारदाना के भाव से खरीदी हुई थी। इस तरह एक साल के भीतर बारदाना का भाव दोगुना हो गया है।

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए अभी तक तारीख की घोषणा नहीं हुई है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी दिनों में कैबिनेट की बैठक में धान खरीदी की तारीख का ऐलान हो सकता है। हालांकि पिछले वर्ष 15 नवंबर से धान की खरीदी शुरू हुई थी। इसे देखते हुए इस बार भी इसी तारीख से धान की खरीदी शुरू होने की संभावना है। तारीख की घोषणा जरूर अभी तक नहीं हुई है, लेकिन शासन स्तर पर धान खरीदी की तैयारियां अक्टूबर से शुरू कर दी गई हैं। इसके तहत उचित मूल्य दुकानों के पीडीएस के पुराने बारदानों की खरीदी की जा रही है, वहीं मिलरों को भी बचे हुए पुराने बारदाने जमा करने के लिए कहा गया है।



पुराना बारदाना 25 रुपए के भाव से खरीदी

नागरिक आपूर्ति विभाग नए बारदाना के साथ पुराना बारदाना भी क्रय कर रहा है। उचित मूल्य दुकानों से पीडीएस का पुराना बारदाना 25 रुपए की दर से क्रय किया जा रहा है। इस तरह नए एवं पुराने बारदानों की खरीदी में हर साल शासन पर करोड़ों रुपए का भार पड़ता है।

50-50 प्रतिशत रेशो में नए-पुराने बारदाने उपार्जन केंद्रों को कराए जाते हैं उपलब्ध

समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी करने के लिए प्रत्येक उपार्जन केंद्र में नए और पुराने बारदाने 50 प्रतिशत के रेशो में उपलब्ध कराया जाता है। समितियों के माध्यम से ये बारदाने धान बेचने वाले पंजीकृत किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। किसानों को भी 50 प्रतिशत रेशो में ही नए और पुराने बारदाने दिए जाते हैं।

बारदाना के रेट बढ़ने से खर्च भी डबल

सूत्र के अनुसार बारदाना की खरीदी भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से होती है। इसके लिए बारदाना की दर निर्धारित कर टेंडर जारी होते हैं। इसी टेंडर के आधार पर राज्य सरकार नए बारदानों की खरीदी करती है। बताया जा रहा है कि धान खरीदी में इस्तेमाल किए जाने वाले नया बारदाना की कीमत 145 से 150 रुपए निर्धारित की गई है। इसी भाव से बारदानों की खरीदी हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी बारदाने की कीमत 80 से 85 रुपए निर्धारित थी। इस तरह सालभर में इसकी कीमत लगभग दोगुनी कर दी गई है। बारदाना की कीमत दोगुनी होने से इसकी खरीदी में होने वाले खर्च की राशि भी दोगुनी हो गई है।

प्रत्येक गठान में 500 बारदाने

प्रदेशभर में अब तक 3 लाख 50 हजार गठान बारदानों की खरीदी की गई है। प्रत्येक गठान में 500 बारदाने होते हैं। इस तरह 17 करोड़ 50 लाख नए बारदानों की खरीदी हुई है।

बन रहा साइक्लोन, बादल-बारिश के बीच घट रहा तापमान बढ़ेगा

25 से 27 अक्टूबर तक असर रहने की संभावना



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बंगाल की खाड़ी में बनने वाले साइक्लोन की वजह से प्रदेश में बादल-बारिश जैसी स्थिति बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से घट रहे न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। 27 से 27 अक्टूबर तक इसका असर रह सकता है। अभी रायपुर के अधिकतम और न्यूनतम यानी दिन-रात के तापमान में 11 डिग्री का अंतर है।

वातावरण में शुष्कता आने से न्यूनतम तापमान में गिरावट की वजह से प्रदेश में ठंड की दस्तक हो चुकी है। इस बीच बंगाल की खाड़ी में तैयार होने सिस्टम के साइक्लोन बनकर ओडिशा तट की ओर आने के कारण राज्य में बादल छाने और बारिश जैसी गतिविधि बन सकती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, 25 से 27 अक्टूबर के बीच बस्तर समेत आसपास के इलाकों में पानी बरसने की संभावना बन रही है, वहीं शेष इलाकों में बादल रहने की वजह से न्यूनतम तापमान में आने वाले गिरावट का दौर कम हो सकता है। शुक्रवार को राजधानी में सुबह तेज धूप ने असर दिखाया और अधिकतम ताापमान 33 डिग्री रहा। इसके पूर्व गुरु-शुक्रवार की दरमियानी रात का पारा 22 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रात में ठंड का प्रभाव अंबिकापुर समेत आसपास के इलाकों में महसूस होने लगा है और वहां का पारा 15 से नीचे जा चुका है।

ऑरेंज ओकलीफ बनेगी छत्तीसगढ़ की राजकीय तितली, स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की मिली मंजूरी

ऑरेंज ओकलीफ को राजकीय तितली घोषित करने की औपचारिक घोषणा होना बाकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के राजकीय पशु, पक्षी, वृक्ष, फूल, गीत के बाद अब तितली को राजकीय पहचान की सूची में शामिल किया जाएगा। राज्य की राजकीय तितली के रूप में ऑरेंज ओकलीफ का चयन किया गया है। राजकीय तितली का चयन स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में किया गया है। राज्य सरकार की ओर से राजकीय तितली की औपचारिक घोषणा होना बाकी है। इस तितली की खासियत है कि यह सूखे पत्ते का अचूक भ्रम पैदा करती है। उड़ने के दौरान इस तितली का पंख ब्लू तथा आरेंज कलर में दिखता है। राजकीय तितली के चयन की प्रक्रिया को लोकतांत्रिक और पारदर्शी रूप देते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने जनमत संग्रह कराया था। इसके लिए 24 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से राज्य के नागरिकों, शोधकर्ताओं और वन्यजीव प्रेमियों से सुझाव व वोट मांगे थे। इस दौड़ में कॉमन बैंडेड पीकॉक और स्पॉट स्वॉर्डटेल जैसी सुंदर प्रजातियां भी शामिल थीं।



इन जिलों में ऑरेंज ओकलीफ बहुतायत में

तितलियों के जानकार गौरव निहलानी के अनुसार ऑरेंज ओकलीफ भोरमदेव, कांगेर वैली, जशपुर, बारनवापारा, कोरबा, बैकुंठपुर, भोरमदेव, अचानकमार टाइगर रिजर्व तथा उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में बहुतायत में है। कांगेर घाटी तितलियों की विशाल विविधता के लिए प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। इस घाटी के कई हिस्सों में एक ही स्थान पर तितलियों की 100 से अधिक प्रजातियां देखी गई हैं, जिनमें ऑरेंज ओकलीफ, कॉमन जेम, ब्लू टाइगर और कॉमन मैप शामिल हैं। सामान्य तितलियों के विपरीत ऑरेंज ओकलीफ केवल फूलों के रस तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पेड़ों के तनों से रिसने वाले द्रव, पके फलों के रस और गीली मिट्टी से पोषक तत्व ग्रहण करती है। नम जमीन से खनिज लवण सोखने की इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक भाषा में "मड-पडलिंग" कहा जाता है।

सूखे पत्तों में घुल-मिल जाती है

ऑरेंज ओकलीफ (जिसे डेडलीफ या इंडियन ओकलीफ भी कहा जाता है) की सबसे बड़ी खासियत इसका प्राकृतिक छद्मावरण (कैमूफ्लाज) है। पंख बंद करते ही यह किसी सूखे, मुरझाए पत्ते की तरह नजर आती है। इसका रंग और बनावट जंगल के सूखे पत्तों में इस कदर घुल-मिल जाती है कि शिकारी कीटभक्षी पक्षियों के लिए इसे पहचान पाना असंभव हो जाता है। खतरे की भनक लगते ही यह तेजी से उड़कर सुरक्षित ओट में छिप जाती है। इसके विपरीत उड़ते समय या पंख फैलाते ही इसके भीतरी हिस्से पर गहरे नीले और चटख नारंगी रंगों की मनोहारी छटा निखर कर सामने आती है।

दो सौ से ज्यादा प्रजाति की तितलियां

राज्य के अलग-अलग वनक्षेत्रों में जैव विविधता के लिए किए गए छह वर्ष तक जारी खोज में शोधकर्ताओं ने तितलियों की 19 ऐसी दुर्लभ प्रजातियों की पहचान की, जिनका पहले छत्तीसगढ़ में कोई आधिकारिक रिकॉर्ड दर्ज नहीं था। इस नई खोज के साथ ही प्रदेश में विधिवत दस्तावेजीकृत तितली प्रजातियों की संख्या 182 से बढ़कर 201 पहुंच गई है, जो यहां के जंगलों की स्वस्थ पारिस्थितिकी को दर्शाती है।

प्रदेश में अलग किए जा रहे कृषि पंपों के फीडर

साढ़े तीन लाख कनेक्शन हो चुके हैं अलग अभी पांच लाख कनेक्शन बाकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में इस समय साढ़े आठ लाख कृषि पंपों के कनेक्शन हैं। इसके कनेक्शन और गांवों के घरेलू उपभोक्ताओं के कनेक्शन एक ही फीडर में होने के कारण कृषि पंपों को भी 24 घंटे बिजली देनी पड़ती है। ऐसे में जब भी बिजली का संकट आता है, तो उद्योगों की बिजली को कट करना पड़ता है। जिन राज्यों में कृषि पंपों के कनेक्शन अलग हैं, वहां दिन के समय में कृषि पंपों को बिजली देने के कारण परेशानी नहीं होती। प्रदेश में करीब साढ़े तीन लाख कृषि पंपों के कनेक्शनों के फीडरों को अलग किया जा चुका है। अब भी पांच लाख कनेक्शन बचे हैं। इनको केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत अलग करने का काम चल रहा है।



प्रदेश में बीते डेढ़ माह से बिजली संकट की स्थिति बनी, तो एक बार फिर से उद्योगों पर आफत आई। पहली बार अक्टूबर में उद्योगों की 14 से 15 घंटों तक बिजली कटौती की गई। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह रहा है कि कृषि पंपों को बिजली देने के कारण उद्योगों की बिजली कट की गई।

फीडर अलग करने का चल रहा है काम

आरडीएसएस योजना में कृषि पंपों के फीडरों को घरेलू कनेक्शन से अलग करने का काम चल रहा है। पहले करीब साढ़े तीन लाख कनेक्शन अलग किए जा चुके हैं, अभी पांच लाख कनेक्शन बचे हैं। इनको अलग किया जाएगा।
- भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

फीडर अलग न होने से परेशानी

प्रदेश में पॉवर कंपनी ने कृषि पंपों के लिए जो कनेक्शन दिए हैं, वो कनेक्शन आमतौर पर गांवों के उन फीडरों से ही दिए गए हैं जिन फीडरों से गांवों के घरेलू और गैर घरेलू कनेक्शन भी हैं। ऐसे में चाहकर भी पॉवर कंपनी जरूरत के समय कृषि पंपों की बिजली कट नहीं कर सकती है। जानकारों के मुताबिक दूसरे राज्यों में कृषि पंपों के फीडर अलग होने के कारण वहां पर दिन के समय में ही कृषि पंपों को बिजली दी जाती है। रात के समय वैसे भी कृषि पंप चलते नहीं हैं। ऐसे में कृषि पंपों की बिजली काम आ जाती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में अलग फीडर न होने के कारण परेशानी होती है। अब इस परेशानी को देखते हुए ही कृषि पंपों के फीडरों को फिर से तेजी से अलग करने का काम पॉवर कंपनी ने करने का फैसला किया है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक उन स्थानों में कृषि पंपों के कनेक्शनों को अलग करने में परेशानी नहीं होगी, जहां पर ज्यादा संख्या में कनेक्शन हैं, लेकिन प्रदेश में बस्तर और सरगुजा के कई गांव ऐसे भी हैं, जहां पर दो-चार ही कृषि पंप हैं, ऐसे में इनके कनेक्शन अलग नहीं हो सकेंगे, क्योंकि नए फीडर का खर्च ज्यादा आता है।

बिजनेस साइट

अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने 25 अक्टूबर को निकलेगा 'आईएलएस वॉकथॉन 2.0'



रायपुर। अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को जीवनदान के इस अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से आईएलएस हॉस्पिटल की ओर से 25 अक्टूबर को 'आईएलएस वॉकथॉन 2.0' का आयोजन किया जाएगा। सुबह 6 बजे मरीन ड्राइव पर होने वाले इस आयोजन की थीम 'चलो साथ चलें, जीवन के लिए चलें' रखी गई है। आयोजन के संबंध में 23 अक्टूबर को पचपेड़ी नाका स्थित अस्पताल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अंगदान के महत्व, इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस पहल के माध्यम से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों और सामाजिक संगठनों को अंगदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। अंगदान जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जागरूकता की कमी के कारण लोग अब भी इसके महत्व को पूरी तरह नहीं समझ पाते। आईएलएस हॉस्पिटल की इस पहल का उद्देश्य लोगों को अंगदान का संकल्प लेने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने के साथ जीवन बचाने के सामाजिक अभियान को मजबूत करना है।

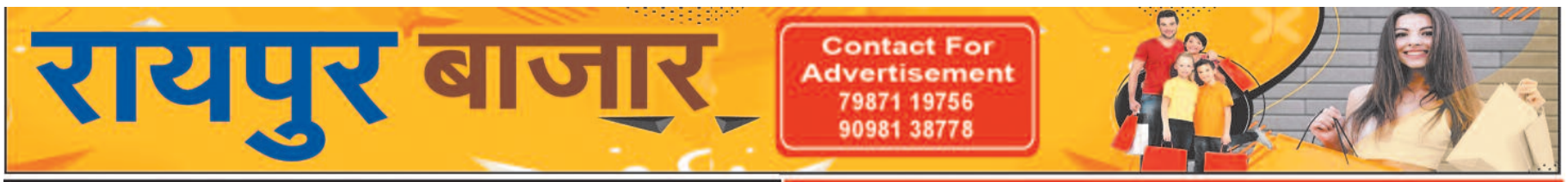





खबर संक्षेप



रायपुर-कुरुद नई रेल सेवा, ट्रेन मैनेजर राव की रही अहम भूमिका

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रेल इतिहास में 20 अक्टूबर 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ। गेज परिवर्तन के पश्चात रायपुर से कुरुद के बीच नई रेल सेवा का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर रायपुर में पदस्थ वरिष्ठ यात्री ट्रेन मैनेजर के. ललितेश्वर राव ने ट्रेन मैनेजर के रूप में अपनी ड्यूटी का निर्वहन किया। प्रथम ट्रेन के संचालन से जुड़े इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनकी सहभागिता रायपुर ट्रेन मैनेजर संवर्ग के लिए गर्व और सम्मान का विषय बनी। नई रेल सेवा के शुभारंभ जैसे यादगार मौके पर अपनी जिम्मेदारी निभाना उनके सेवाकाल का एक विशेष अनुभव बन गया। नई रेल सेवा की शुरुआत के साथ रायपुर ट्रेन मैनेजर संवर्ग ने आशा जताई कि भारतीय रेल भविष्य में भी यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं प्रदान करते हुए विकास के नए आयाम स्थापित करेगी।

खुली निविदा बिना उच्चदाब स्मार्ट मीटर की प्रक्रिया निरस्त करें

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) ने बिना किसी खुली निविदा प्रक्रिया का पालन किए, उच्चदाब औद्योगिक कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य एक निजी कंपनी को सौंपने की अनुचित प्रक्रिया प्रारंभ की है। इस प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया कि विभागीय विरोधों के बावजूद उक्त निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संबंधित नस्ती अध्यक्ष के समक्ष अंतिम स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन है। कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि निम्नदाब कनेक्शनों के लिए दी गई पुरानी स्वीकृति को आधार बनाकर उच्चदाब कनेक्शनों में भी बिना टेंडर यह कार्य पारित कराने का प्रयास एक गंभीर प्रक्रियात्मक एवं वित्तीय अनियमितता की ओर इशारा करता है। श्री अग्रवाल ने ज्ञापन में कहा कि बिना खुली निविदा प्रक्रिया के तैयार किए गए इस नियम-विरुद्ध प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए।

जोगी कांग्रेस की बैठक आज, महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के संगठनात्मक पुनर्गठन, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर पार्टी की आगामी रणनीति एवं संगठन को अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के उद्देश्य से शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। सीएम हाउस के सामने जोगी निवास में यह बैठक होगी। बैठक में पार्टी के पुनर्गठन, संगठन में सक्रियता लाने, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी तथा जनहित के मुद्दों को लेकर प्रभावी संघर्ष एवं आंदोलन की रूपरेखा पर महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं अधिवक्ता भगवानू नायक उक्ताशय की जानकारी विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर कोटवारों की हड़ताल

रायपुर। कोटवार एसोसिएशन ऑफ छतीसगढ़ के आव्हान पर प्रदेशभर के कोटवार अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार से हड़ताल पर चले गए। रायपुर के तूता में कोटवारों ने एकत्र होकर धरना-प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। संघ के प्रांताध्यक्ष प्रेमकिशोर बाघ ने कहा कि उनकी 4 मांगें पूरी तरह से जायज हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दूसरे चरण में जिला मुख्यालय में मुख्यमंत्री के नाम पर कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा है।

त्योहारी सीजन में कम हो गए सोने-चांदी के दाम, फिर भी बीते साल से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवरात्रि से ही त्योहारी सीजन का आगाज हो गया है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि त्योहारी सीजन में सोने और चांदी के दाम लगातार कम हो रहे हैं। अब तो सोना डेढ़ लाख से भी कम हो गया है। चांदी के दाम दो लाख से ज्यादा हैं। भले इस समय सोने और चांदी के दाम कम हैं, लेकिन ये बीते साल से ज्यादा ही हैं।

सोने और चांदी के दाम लगातार रिकार्ड बना रहे हैं, इतिहास में पहले कभी एक दी दिन में इतने दाम कम ज्यादा नहीं हुए हैं, जितने इस साल हुए हैं। चांदी ने तो इस साल चार लाख के पार जाने का भी रिकार्ड बनाया, लेकिन अब इसके दाम बहुत कम हो गए हैं।

सोना डेढ़ लाख से कम, चांदी दो लाख छह हजार

चांदी के दाम ज्यादा बढ़े

बीते साल के त्योहारी सीजन की बात करें तो बीते साल अक्टूबर में धनतेरस पड़ी थी। एक अक्टूबर को जहां सोने के दाम 120700 रुपए थे, वहीं चांदी के दाम 149700 रुपए थे। धनतेरस के दिन सोने की कीमत 132300 और चांदी के दाम 172000 हो गई थी। अब धनतेरस से तुलना करें तो इस समय सोने की कीमत 147100 रुपए है। यानी सोने के दाम इस समय 14800 रुपए ज्यादा हैं। इसी तरह से चांदी की बात करें तो चांदी के दाम इस समय 205100 रुपए हैं। चांदी के दाम 34100 ज्यादा हैं।





दाम कम होने का कारण

रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया कि ईरान-अमेरिका तनाव से जुड़े घटनाक्रम, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, डॉलर सूचकांक में मजबूती और भारतीय रुपए में मजबूती का असर सोने और चांदी की पर पड़ रहा है। अमेरिकी बॉन्ड पर ब्याज बढ़ने से निवेशकों का रुझान सोने के बजाये बॉन्ड की ओर बढ़ा है। वहीं, डॉलर की मजबूती से सोना-चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। भारतीय रुपए में मजबूती आने से आयात की लागत भी कम हुई है, जिसका असर घरेलू बाजार में दिखाई दे रहा है। श्री मालू ने बताया कारोबारी सप्ताह में सोना घटकर 1,47,100 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,06,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। इस तरह सोने में 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी में 10,100 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई।

खराब मशीनों को सुधारने में लेटलतीफी

ईपॉस मशीनों के किराए पर हर साल करोड़ों खर्च, इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) योजना के तहत उचित मूल्य की दुकानों में किराए पर चल रही ई-पॉस मशीनों पर विभाग द्वारा हर वर्ष 20 करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च की जा रही है, लेकिन इसके बाद भी कंपनी कई शर्त का पालन नहीं कर रही है। उचित मूल्य की दुकान में अगर किसी ई-पॉस मशीन में किसी प्रकार की खराबी आती है, तो शर्त-नियम के तहत कंपनी को 48 घंटे के भीतर उसे सुधारना है, जबकि धरातल पर मशीन को सुधारने में 5 से 10 दिन लगाया जा रहा है। इसके कारण इतने दिनों तक दुकानों में खाद्यान्न वितरण भी प्रभावित रहता है।

खराबी आने पर 48 घंटे के भीतर सुधारी जानी है मशीन, पर लगाए जा रहे 5 से 10 दिन



एक मशीन का 12305 रुपए प्रति माह किराया

छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (सीजीएससीएससी) के लिए छत्तीसगढ़ में आधार-सक्षम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए 25 अगस्त 2020 को टेंडर खोला गया था। सूत्र के अनुसार यह टेंडर पहले किसी और कंपनी को मिला था, लेकिन बाद में विजन टेक फर्म को मिला। अनुबंध की शर्तों के तहत कंपनी को हर माह प्रति ई-पॉस मशीन का 12305 रुपए का भुगतान किया जाता है। यह भुगतान पीओएस डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, रखरखाव और अन्य सेवाओं के लिए एफपीएस का किराया आरएफपी के अनुसार है। इस तरह हर साल जिन-जिन जिलों में उचित मूल्य की दुकानों में ई-पॉस मशीनों के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण हो रहा है, उसके एवज में कंपनी को हर साल लगभग 20 से 21 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा रहा है।

नहीं सुधरने पर मशीन बदलने का नियम

अगर किसी कारण से मशीन सुधारने में पार्ट्स की कमी या अन्य कारण से निर्धारित समय से अधिक समय लग रहा है , तो नियम के तहत उस दुकानदार को नई मशीन उपलब्ध कराना है। कंपनी इस नियम का भी पालन नहीं कर रही है। नई मशीन देने के बजाए कंपनी पुरानी मशीन को सुधारने में कभी भी 10 से 15 दिन तक लगा रहे हैं, जिसके कारण उस दुकान में खाद्यान्न वितरण ठप रहता है।

मशीन के कारण हितग्राहियों-दुकानदारों के बीच होता है विवाद : समय सीमा पर खराब मशीन को नहीं सुधारे जाने से संबंधित उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं एवं हितग्राहियों के बीच विवाद का कारण भी बन रहा है। कई हितग्राही द्वारा दुकानदार के खिलाफ विभाग में शिकायत भी करते है। इस तरह की कई शिकायतें जिला खाद्य विभाग में आ चुकी है।

बंद की शिकायतें पूर्व में आ चुकीं

ई-पॉस मशीन खराब होने पर कई दुकानों में कई दिनों तक वितरण बंद की शिकायतें पूर्व में आ चुकी हैं। कुछ दुकानदारों ने खराब मशीन को 8 से 10 दिन से ठीक नहीं करने की शिकायते पूर्व में की थी, जिनका तत्काल निराकरण किया गया। - **भूपेंद्र मिश्रा,** खाद्य नियंत्रक रायपुर

कंपनी के खिलाफ एक्शन लिया जाना चाहिए

अनुबंध की शर्त-नियम के तहत 48 घंटे के भीतर खराब ई-पॉस मशीन को सुधारा जाना है, लेकिन कई दुकानदारों की मशीनें सुधराने में 5 से 8 दिन लगा दिया जाता है। तब तक वितरण प्रभावित रहता है। इस मामले में कंपनी के खिलाफ एक्शन लिया जाना चाहिए।
- **नरेश बाफना,** अध्यक्ष छग पीडीएस संघ

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में 72 घंटे एवं अन्य क्षेत्रों में 48 घंटे के भीतर खराब मशीन सुधारने का नियम : विभाग और कंपनी के मध्यम हुए अनुबंध के तहत उचित मूल्य दुकानों में इस्तेमाल की जा रही ई-पॉस मशीन में अगर किसी प्रकार की खराब आती है, तो उसे ठीक करने की जवाबदारी कंपनी की है। इसके तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्र के दुकान की अगर मशीन बिगड़ती है, तो उसे किसी भी स्थित में 72 घंटे के भीतर सुधारा जाना है, वहीं अन्य क्षेत्रों में 48 घंटे के भीतर सुधारा जाना है।

ट्राईफेड का आज से रायपुर में 'आदि बाजार 2026'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



- देशभर के लगभग 80 जनजातीय कारीगरों की सहभागिता, 40 स्टॉल लगेंगे
- कृषि मंत्री रामविचार नेताम करेंगे शुभारंभ

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ लिमिटेड (ट्राईफेड) के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा 24 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक टाउन हॉल कलेक्ट्रेट परिसर घड़ी चौक के पास एक भव्य राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव "आदि बाजार 2026" का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनजातीय कारीगरों को अपने प्रामाणिक हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक प्रत्यक्ष विपणन मंच प्रदान करते हुए भारत की समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति, पारंपरिक हस्तशिल्प और विविध आजीविका प्रथाओं को बढ़ावा देना है। आदि बाजार 2026 का उद्घाटन समारोह कृषि मंत्री रामविचार नेताम करेंगे। इस अवसर पर नगर निगम महापौर मीनल चौबे तथा छत्तीसगढ़ राज्य लघु वन उपज सहकारी संघ लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक आईएफएस संजीता गुप्ता बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। 10 दिवसीय इस प्रदर्शनी सह बिक्री मेले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लगभग 80 जनजातीय कारीगरों और शिल्पकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 40 स्टॉल लगाए जाएंगे। आगंतुकों को पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, वस्त्र, पारंपरिक आभूषण, पेंटिंग और प्राकृतिक व जैविक उत्पादों की सीधी खरीदारी का अवसर मिलेगा। प्रमुख क्षेत्रीय शिल्प आकर्षणों में छत्तीसगढ़ का कोसा सिल्क एवं ढोकरा क्राफ्ट, ओडिशा की संबलपुरी साड़ी एवं सौरा पेंटिंग, मध्यप्रदेश की बाघ-प्रिंट साड़ी, माहेश्वरी साड़ी एवं गोंड पेंटिंग, पश्चिम बंगाल की कांता-कढ़ाई साड़ी एवं पारंपरिक आभूषण, राजस्थान का पारंपरिक वस्त्र एवं आभूषण झारखंड का जूट उत्पाद एवं जनजातीय आभूषण, पूर्वोत्तर राज्यों के बेत एवं बांस शिल्प, उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखंड के बांस उत्पाद तथा अराकु कॉफी सहित अन्य विशिष्ट हस्तशिल्प शामिल हैं।

हिंसक वन्यजीवों से ज्यादा खतरनाक हुए इंसान दो तेंदुआ की मौत के बाद दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य में मानव-वन्यजीव द्वंद्व एक गंभीर समस्या साबित हो रहा है। एक पखवाड़ा पूर्व महासमुंद के झिटकी गांव में जिस तेंदुआ ने ग्रामीणों पर हमला किया था, उस तेंदुआ के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले थे। रेस्क्यू कर उस तेंदुआ को उपचार के लिए जंगल सफारी लाया गया, जहां उचार के दौरान तेंदुआ की मौत हो गई। तेंदुआ की मौत ब्रेन हेमरेज से होने की बात सामने आई है।

जंगल से भटक कर आया तेंदुआ चार अक्टूबर को झिटकी गांव के एक झोपड़ीनुमा मकान में घुस गया। तेंदुआ की आहट सुनकर सो रहे लोग जाग गए। इसके बाद उन लोगों ने तेंदुआ को भगाने के लिए उसके सिर पर लाठियों से वार किया। लाठी के वार से गुस्साए तेंदुआ ने उन पर हमला कर दिया। इस कारण एक परिवार के आधा दर्जन लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल तेंदुआ को उपचार के लिए जंगल सफारी लाया गया, जहां उपचार के दौरान सात अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। उसकी उम्र छह साल के करीब और वह नर तेंदुआ था।

महासमुंद में ग्रामीणों के हमले से मृत तेंदुआ की पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने दिए जांच के आदेश

महासमुंद के जिस गांव के परिवार पर तेंदुआ ने हमला किया था उस झोपड़ीनुमा मकान में दरवाजा नहीं लगा था



शरीर पर नहीं मिले कैनाइन टीथ के निशान

महासमुंद में जिस तेंदुआ ने ग्रामीणों पर अटैक किया था, उस तेंदुआ के हमले में ग्रामीणों के शरीर पर किसी तरह से कैनाइन टीथ के मार्क नहीं मिले हैं। उनके शरीर पर पंजों के निशान मिले हैं। घटना की प्रकृति तथा तेंदुए द्वारा किए गए कथित हमले की गंभीरता की वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी ने जांच की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि यह एक आकस्मिक आमना-सामना था और तेंदुए की प्रवृत्ति के अनुसार उसके दांतों के निशान क्यों नहीं थे? इसकी जांच की मांग की है।

पीसीसीएफ ने दिए जांच के आदेश

तेंदुआ की मौत की घटना को पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ओपी यादव ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच के आदेश देने के पूर्व पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफवन्यजीवों को अकारण परेशान करने वाले लोगों के खिलाफ वन्यजीव अधिनियम के तहत अपराध दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ग्रामीणों ने तेंदुआ के रैबीज होने का आरोप लगाया था। जांच में तेंदुआ को रैबीज होने के किसी तरह से कोई प्रमाण नहीं मिला है।

तेंदुआ से ज्यादा हिंसक हुए इंसान

धमतरी तथा कोण्डागांव के सरहदी गांव में कथित रूप से तेंदुआ के हमले से दो लोगों की मौत तथा 16 लोगों को घायल करने के आरोप में जिस तेंदुआ को ग्रामीणों ने बर्बर तरीके से उसके सिर पर टंगिया तथा लाठी से वार कर रेस्क्यू किया, उस बेदम हो चुके तेंदुआ को काबू करने ग्रामीणों ने आधा दर्जन लकड़ी के बल्ली के नीचे दबा दिया था। उस तेंदुआ को भी उपचार के लिए जंगल सफारी लाया गया, उसकी भी मौत ब्रेन हेमरेज से 19 अक्टूबर को हो गई। जिस तेंदुआ को ग्रामीणों ने पकड़ा था, उसी तेंदुआ ने ग्रामीणों पर हमला किया था या नहीं, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है, यूएसटीआर की टीम तेंदुआ को रेस्क्यू करने पहुंची थी। उसी दौरान ग्रामीणों ने तेंदुआ को काबू करने उस पर हमला किया था।

बीमा कंपनी को चोरी गए जेवर की राशि क्षतिपूर्ति सहित लौटाने उपभोक्ता फोरम ने सुनाया फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



सराफा कारोबारी की दुकान से अज्ञात महिलाएं 10 वर्ष पूर्व नौ जोड़ी झुमके चोरी कर ले गई थीं

हलवाई लाइन स्थित महावीर चंद अशोक कुमार ज्वेलर्स में एक दशक पूर्व 10 सितंबर 2015 को अज्ञात महिलाओं द्वारा नौ जोड़ी झुमका चोरी कर ले जाने के प्रकरण में जिला उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी को राशि क्षतिपूर्ति सहित लौटाने का आदेश दिया है। फोरम ने बीमा कंपनी को कारोबारी को एक लाख 59 हजार 832 रुपए छह प्रतिशत ब्याज सहित 10 हजार रुपए मानसिक कष्ट तथा 10 हजार रुपए वाद व्यय 45 दिनों के भीतर लौटाने के आदेश दिए हैं।

फोरम ने नेशनल इंश्योरेंस बीमा कंपनी को सराफा कारोबारी कस्तुरचंद जैन को रकम लौटाने आदेश दिया है। अधिवक्ता कांति लाल शर्मा के अनुसार बीमा कंपनी द्वारा रकम लौटाने से इनकार करने पर अधिवक्ता कृष्णा शर्मा के माध्यम से उपभोक्ता फोरम में परिवाद दायर किया गया। घटना दिनांक को तीन महिलाएं दोपहर दो बजे के करीब सोने के झुमके खरीदने के बहाने दुकान आकर झुमके देखने लगीं। कुछ देर बाद पसंद नहीं आया कहकर दो महिलाएं दुकान से पहले निकलीं, इसके बाद तीसरी महिला दुकान से चली गई। उनके जाने के बाद स्टॉक मिलाने पर काउंटर में उनको दिखाये झुमके के बाक्स में से सोने के झुमके भरे एक बाक्स से 116.250 ग्राम नौ जोड़ी झुमके कम मिले।

पकड़े जाने पर छह जोड़ी झुमका रिकवर

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल सात महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 39.630 ग्राम के छह जोड़ी झुमका रिकवर किया, जिसकी कीमत एक लाख 30 हजार 900 रुपए है। शेष चोरी के दो लाख 1520 रुपए कीमत के 76.620 ग्राम आभूषण नहीं मिले। दुकान का नेशनल इंश्योरेंस बीमा कंपनी से बीमा कराया गया था। इस आधार पर बीमा कंपनी में चोरी गये झुमके की राशि को प्राप्त करने के लिये दावा किया गया। बीमा कंपनी द्वारा दावा राशि का भुगतान नहीं करने पर बीमा कंपनी के खिलाफ उपभोक्ता आयोग रायपुर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गयी। दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद उपभोक्ता फोरम ने सराफा कारोबारी के पक्ष में फैसला सुनाया।

आयुष्मान योजना से हटाए गए स्वास्थ्य संचालनालय के उपसंचालक डॉ. गहवई निलंबित, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना की निगरानी वाले स्टेट नोडल एजेंसी से पंद्रह दिन पहले हटाए गए उपसंचालक डा. धर्मेन्द्र गहवई को अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। शासन के इस सख्त कदम से स्वास्थ्य संचालनालय में हड़कंप मच गया है। चर्चा इस बात की भी है कि चिकित्सकीय कैडर की न्यायिक लड़ाई में शामिल होने की वजह से उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

डा. गहवई लंबे समय से स्टेट नोडल एजेंसी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे थे। पंद्रह दिन पहले उन्हें पद से हटाकर राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर को यह जिम्मेदारी दी गई है। डा. गहवई को स्वास्थ्य संचालनालय में उपसंचालक के रूप में रखा गया था। दो दिन पहले सिविल सेवा आचरण नियम का उल्लघंन करने के मामले में बड़ा एक्शन लेते हुए राज्य शासन ने उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया है। इस आदेश के बाद स्वास्थ्य संचालनालय में हड़कंप से मच गया है, क्योंकि डा. गहवई बड़े पद के साथ जिम्मेदार अधिकारी के रूप में पहचाने जाते थे। लापरवाही बरतने पर उन पर की गई कार्रवाई को लेकर विभिन्न तरह की चर्चा है। वहीं मामले को स्वास्थ्य सेवाओं में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों की नियुक्ति से जोड़कर देखा जा रहा है। चिकित्सकीय कैडर के अधिकारों के हनन का हवाला देकर स्वास्थ्य संचालनालय के जिन उप और संयुक्त संचालकों ने न्यायालय की शरण ली है, उसमें डा. धर्मेन्द्र गहवई भी शामिल हैं। जारी आदेश में उन्हें संभागीय संयुक्त संचालक रायपुर के मुख्यालय में पदस्थ रखा गया है। वहीं सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना उन्हें मुख्यालय नहीं छोड़ने का आदेश भी दिया गया है।

चिकित्सकीय कैडर की न्यायिक लड़ाई में शामिल थे



सीडा ने कहा- प्रतिशोधात्मक कार्रवाई

डा. धर्मेन्द्र गहवई के निलंबन पर छत्तीसगढ़ इन-सर्विस डाक्टर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीडा की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस प्रतिशोधात्मक कार्रवाई के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया जाएगा। गैर-चिकित्सकीय कैडर की नियुक्तियों के खिलाफ न्यायालय से लेकर सड़क तक संघर्ष तेज करने की तैयारी। डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गहवई उन याचिकाकर्ताओं में शामिल हैं, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय के चिकित्सकीय कैडर से संबंधित एडिशनल डायरेक्टर जैसे प्रशासनिक पदों पर गैर-चिकित्सकीय कैडर के अधिकारियों, विशेष रूप से एडिशनल कलेक्टर स्तर के अधिकारियों की पदस्थापना को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। एसोसिएशन को आशंका है कि यह कार्रवाई न्यायिक लड़ाई लड़ रहे चिकित्सकों पर दबाव बनाने अथवा उन्हें हतोत्साहित करने का प्रयास हो सकता है।

